Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 212 | सोमवार, 10 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

विकास, विरासत और भारत की आन-बान-शान का प्रतीक है तिरंगा: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में किया हर घर तिरंगा अभियान का शुभारंभ

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ किया। इसके बाद भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों, युवाओं, महिलाओं, कलाकारों समेत प्रदेशवासियों संग मुख्यमंत्री आवास (5 कालिदास मार्ग) से विधान भवन तक तिरंगा यात्रा निकाली। मुख्यमंत्री ने तिरंगा फहराते बच्चों के साथ सेल्फी ली और उनकी हौसलाअफजाई की। शुभारंभ स्थल पर वंदे मातरम का सामूहिक गान किया गया। मुख्यमंत्री ने स्वाधीनता दिवस की अग्रिम बधाई देते हुए अपील की कि इससे पहले हर घर में तिरंगा फहराएं। मुख्यमंत्री ने तिरंगा को सादगी, विकास, विरासत और भारत की आन-बान-शान का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा सादगी, विकास, विरासत और भारत की आन-बान-शान का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रतीकों के प्रति सर्वोच्च सम्मान बनाए रखने के लिए राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत का अपमान करने वालों को संज्ञेय अपराध की सूची में रखते हुए दंडित करने का निर्णय भी लिया है। उन्होंने कहा कि अब यह नहीं हो सकता कि रहेंगे भारत में लेकिन भारत के प्रतीकों, महापुरुषों, राष्ट्रगान-राष्ट्रगीत को अपमानित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रगीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में देश में वंदे मातरम का गान हो रहा है।

देश की रक्षा के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को किया याद

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए पूरे देश में आन–बान–शान के प्रतीक तिरंगा यात्रा का शुभारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भारत की आजादी और स्वतंत्र भारत में देश की रक्षा के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों, सैनिकों व संविधान निमार्ताओं राजेंद्र प्रसाद, बाबा साहेब भीमराव आंबडेकर, लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल आदि को भी याद किया।

'अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता'

ममता बनर्जी की कार पर ईंट-पत्थर से हुआ हमला

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता बिरजू कोओट की कांचरापारा में पुलिस हिरासत में मौत ने राजनीतिक हलचल मचा दी है। इसी बीच उनके घर टीएमसी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी परिवार से मुलाकात करने पहुंची, जहां नाराज लोगों ने ममता बनर्जी की गाड़ी पर हमला कर दिया। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के मुताबिक, पूर्व सीएम ममता बनर्जी का काफिला उत्तर 24 परगना के हलीशहर में जैसे ही पहुंचा वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों ने रोक लिया। ममता बनर्जी अपने दिवंगत कार्यकर्ता बिरजू केओट के परिवार से मिलने जा रही थीं।

बताया जा रहा कि प्रदर्शनकारियों ने उनकी गाड़ी को घेर लिया, पानी की बोतलें और जूते फेंके और स्थानीय पुलिस पर हिरासत में मौत के आरोप लगाते हुए नारे लगाए।

घटना के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हमले पर बात करते हुए कहा, 'मेरे को बड़े-बड़े पत्थर मारे गए। बाहर से आए हुए कुछ असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर हमला किया। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर कार की खिड़कियां खुली होतीं, तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे। यह सब पुलिस के सामने हुआ। मैंने पहले ऐसा कुछ कभी नहीं देखा। यह क्या हो रहा है? पुलिस बीजेपी को सुरक्षा दे रही है।' 'मेरा बयान कांग्रेस पर हमला नहीं', राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर की गई टिप्पणी पर विवाद के बाद बोले शशि थरूर ममता बनर्जी ने मृतक बिरजू केओट के परिवार से मुलाकात करने पहुंची थी। बिरजू केओट की हलीशहर पुलिस की कस्टडी में एक रात बिताने के बाद मौत हो गई थी।

क्यों पुलिस ने बिरजू को हिरासत में लिया था?

बताया जा रहा कि बिरजू को हलीशहर पुलिस थाने में शुक्रवार को जबरन वसूली और भ्रष्टाचार सहित कई आरोपों में पकड़ा गया था। जहां पुलिस हिरासत में उनकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही तृणमूल सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रविवार को मृतक तृणमूल कार्यकर्ता के घर उनके परिवार से मिलने पहुंचीं। उनके काफिले के पहुंचते ही स्थिति तनावपूर्ण हो गई। आरोप है कि कुछ स्थानीय लोगों ने ममता की गाड़ी पर कीचड़ और जूते फेंके। साथ ही 'चोर, चोर' के नारे भी लगाए गए। इस घटना के चलते हलीशहर में तनावपूर्ण माहौल बन गया।

पीएम मोदी ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' के वीरों को किया याद, साहस को बताया हर भारतीय की प्रेरणा

● नौ अगस्त 2026 को भारत छोड़ो आंदोलन के 84 वर्ष पूरे हो गए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो आंदोलन' में हिस्सा लेने वाले लोगों को याद करते हुए रविवार को कहा कि उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। 'भारत छोड़ो आंदोलन' महात्मा गांधी के नेतृत्व में नौ अगस्त 1942 को शुरू हुआ था। इस आंदोलन ने देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को निर्णायक गति दी थी।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाले सभी लोगों को याद कर रहा हूं।

उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारत छोड़ो' के आ'ान ने स्वतंत्रता संग्राम में नयी ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्ति पाने के लोगों के अटूट संकल्प को दशार्या। नौ अगस्त 2026 को भारत छोड़ो आंदोलन के 84 वर्ष पूरे हो गए। यह आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम के सबसे महत्वपूर्ण पड़ावों में से एक था।

बारामती एयरपोर्ट पर क्रैश-लैंड हुआ ट्रेनी एयरक्राफ्ट, दोनों पायलट सुरक्षित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

बारामती। पुणे के बारामती एयरपोर्ट पर एक प्राइवेट कंपनी का ट्रेनी एयरक्राफ्ट क्रैश-लैंड हो गया। यह हादसा दोपहर करीब 12:35 बजे एयरपोर्ट परिसर के अंदर, रनवे से थोड़ी ही दूरी पर हुआ। राहत की बात यह रही कि प्लेन में सवार दोनों पायलटों को कोई चोट नहीं आई और एयरक्राफ्ट को भी मामूली नुकसान ही पहुंचा है। बता दें कि इसी शहर में करीब सात महीने पहले हुए एक प्लेन हादसे में महाराष्ट्र के तत्कालीन डिप्टी सीएम अजीत पवार की मौत हो गई थी। सीनियर पुलिस ऑफिसर संदीप सिंह गिल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि एयरक्राफ्ट ट्रेनिंग के दौरान रनवे से बाहर निकल गया था। इस प्लेन में कैप्टन चिराग शशिकांत डोइफोडे और कैडेट अभिजीत जुंड्रे सवार थे। हादसे के वक्त दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित रहे और किसी को भी चोट नहीं आई। पुलिस अधिकारी के अनुसार, एयरक्राफ्ट पहले लिंक ब्रावो से रनवे पर आया और टेक-ऑफ की कोशिश की, लेकिन टेक-ऑफ को बीच में ही रोक दिया गया। इसके बाद एयरक्राफ्ट को दूसरे छोर से दोबारा टेक-ऑफ के लिए ले जाया गया, जहां एक बार फिर टेक-ऑफ रोकना पड़ा।

उत्तराखंड पहुंचे मल्लिकार्जुन खड़गे का बीजेपी पर हमला, राम मंदिर चढ़ावा विवाद और छात्रों के आंदोलन पर मांगा जवाब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को उत्तराखंड के रुद्रपुर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर कांग्रेस की तैयारियों पर बात की। पार्टी नेताओं के दौरों पर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मैं AICC अध्यक्ष हूँ और हर दिन यहाँ नहीं आ सकता, लेकिन हमारी पूरी टीम और कार्यकर्ता यहाँ जमीन पर डटे हुए हैं। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा या नए बीजेपी अध्यक्ष यहाँ रोज आते हैं? हम तब आते हैं जब कार्यकताओं का हौसला बढ़ाना होता है। हम यहाँ पर्यटकों की तरह घूमने नहीं आते।' राम मंदिर के दान और चढ़ावे में कथित हेराफेरी के मुद्दे पर खड़गे ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मंदिर की संपत्ति में गड़बड़ी का मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस ने ही उठाया था। खड़गे ने कहा, 'ट्रस्ट के सदस्यों की नियुक्ति से लेकर मंदिर का उद्घाटन, पूजा की शुरूआत और झंडा फहराने तक का सारा काम प्रधानमंत्री ने खुद किया।

FCRA और परिसीमन के मुद्दे पर पार्टी का रुख

मल्लिकार्जुन खड़गे ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (FCRA) से जुड़े सरकार के कदमों का विरोध करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कल सर्वदलीय बैठक और फ्लोर लीडर्स की चर्चा के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। परिसीमन के सवाल पर उन्होंने साफ किया कि लोकतंत्र में किसी के विचारों को दबाया नहीं जा सकता, लेकिन कांग्रेस का रुख बिल्कुल स्पष्ट है और पार्टी सभी दलों के सर्वसम्मत फैसले का समर्थन करेगी।

'छात्रों की गूंज' पर बोले खड़गे

रांची में खढरउ और खररउ परीक्षाओं में धांधली को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन पर बोलते हुए खड़गे ने राहुल गांधी की सराहना की। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने ही सबसे पहले इस मुद्दे को उठाया, कोटा जाकर छात्रों से बात की और इस आंदोलन को राष्ट्रीय पहचान दी। छात्रों को राहुल गांधी के अभियान से बड़ा प्रोत्साहन मिला है और आज वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर शौर्य तो रक्तदान अभियान करुणा का प्रतीक: राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा के दूसरे अभियान में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। उन्होंने रक्तदान को सैनिकों के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि जिस तरह सेना ने सीमा पार जाकर देश की रक्षा की थी, वैसे ही अब नागरिकों को रक्तदान कर घायल जवानों की मदद करनी चाहिए।

राजधानी दिल्ली में 'सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा' के दूसरे साल के कैंपेन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को देश के जवानों के प्रति नागरिकों की बड़ी जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां एक तरफ पूरी दुनिया को भारत की ताकत और पराक्रम दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की दया और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना की वीरता का प्रतीक था, जबकि यह रक्तदान यात्रा करुणा का दूसरा रूप है। उन्होंने कहा कि जिस तरह जवान सरहद पर देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, उसी तरह आम नागरिक भी ब्लड डोनेट करके घायल जवानों की मदद कर सकते हैं।

दिल्ली पुलिस ने पकड़ी 12 करोड़ की ड्रग्स, 3 विदेशी नागरिकों सहित 5 गिरफ्तार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन विदेशी नागरिक शामिल हैं। पुलिस ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सक्रिय एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया है और करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन और एमडीएमए बरामद की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान नाइजीरियाई नागरिक मोरिस ओकाली (52) और इबेग्बु चिगोजी सैमुअल (50), घाना के नागरिक इमैनुएल (38), तथा दिल्ली निवासी समीर (28) और लेडी (36) नामक एक महिला के रूप में हुई है। अपराध शाखा ने बताया कि टीम मादक पदार्थों के तस्करों के बारे में खुफिया जानकारी जुटा रही थी, तभी उसे विशेष सूचना मिली कि हेरोइन और एमडीएमए की थोक और खुदरा तस्करी में कथित रूप से शामिल ओकाली, 19 और 20 जुलाई की दरम्यानी रात शाहदरा के एक अस्पताल के पास मादक पदार्थों की खेप पहुंचाने के लिए आएगा। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'जाल बिछाया गया और ओकाली को काले रंग का कंधे पर लटकाने वाला बैग लेकर जाते समय पकड़ लिया गया।

बैग की तलाशी लेने पर 2.004 किलोग्राम हेरोइन और 863 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ।' उन्होंने बताया कि इसके बाद अपराध शाखा थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच और ओकाली की पुलिस हिरासत रिमांड के दौरान, उसकी निशानदेही पर 23 जुलाई को चंद्र विहार, निलोठी से इमैनुएल और सैमुअल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सैमुअल के पास से 254 ग्राम हेरोइन और इमैनुएल के पास से 14 ग्राम एमडीएमए बरामद किया।

पुलिस ने बताया कि दो और आरोपियों, समीर और लेडी, को 31 जुलाई को गिरफ्तार किया गया। समीर को गाजियाबाद के शालीमार गार्डन से पकड़ा गया और उसके पास से 300 ग्राम हेरोइन बरामद की गई, जबकि लेडी को पश्चिम विहार से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी दिल्ली-एनसीआर में सहयोगियों के एक संगठित नेटवर्क के जरिए हेरोइन और एमडीएमए की खरीद, भंडारण, परिवहन और वितरण में शामिल थे।

नाइजीरियाई नागरिक ओकाली 2020 में भारत आया था और चंदर विहार, निलोठी एक्सटेंशन में रह रहा था। पुलिस ने बताया कि उसका भारतीय वीजा समाप्त हो चुका था और वह देश में अवैध रूप से रह रहा था। इससे पहले उसे 2024 में निहाल विहार थाने में विदेशी अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया, 'टीमों ने आरोपियों के पास से कुल 2.554 किलोग्राम हेरोइन, 881 ग्राम एमडीएमए और 11 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन मादक पदार्थों की कीमत करीब 12 करोड़ रुपये आंकी गई है।' पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने और पूरे आपूर्ति नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए जांच जारी है।

11 अगस्त से 2 रुपये प्रति लीटर महंगा होगा दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स के दाम भी बढ़ेंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मुम्बई। महाराष्ट्र में आम जनता की जेब पर महंगाई का एक और असर पड़ने वाला है। राज्य में गाय और भैंस दोनों के दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का फैसला किया गया है। यह नया नियम मंगलवार, 11 अगस्त से लागू होगा। सहकारी और प्राइवेट डेयरी संस्थाओं ने मिलकर 'मिल्क प्रोड्यूसर्स एंड प्रोसेसर्स वेलफेयर एसोसिएशन' की बैठक में यह फैसला लिया, जिसकी अध्यक्षता गोपालराव म्हास्के ने की।

दाम बढ़ाने की मुख्य वजहें

डेयरी एसोसिएशन का कहना है कि दूध के उत्पादन और सप्लाई का खर्च काफी बढ़ गया है, जिसकी वजह से दाम बढ़ाना जरूरी हो गया था।

ईंधन के बढ़ते दाम: डीजल की कीमतों में 10 प्रति लीटर तक की बढ़ोतरी हुई है, जिससे दूध को एक जगह से दूसरी जगह भेजने का खर्च बढ़ गया है।

पैकेजिंग का खर्च: दूध की थैलियों की पैकेजिंग और प्रोसेसिंग में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की लागत में लगभग 30% का इजाफा हुआ है।

किसानों से खरीद महंगी: डेयरी कंपनियों को किसानों से कच्चा दूध खरीदने के लिए ज्यादा कीमत देनी पड़ रही है, जो आगे और बढ़ सकती है।

डेयरी प्रोडक्ट्स भी होंगे 10% तक महंगे

एसोसिएशन ने साफ किया है कि खर्चों को संतुलित करने के लिए सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दही, छाछ और पनीर जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स के दामों में भी 10% तक की बढ़ोतरी की जाएगी।

11 अगस्त से लागू होने वाले इस फैसले का सीधा असर मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों के परिवारों के बजट पर पड़ेगा, जहां दूध की रोजाना खपत बहुत ज्यादा है।

संपादक की कलम से

मक्का का त्रिकोण- अलग हित, फिर साथ आने की जरूरत क्यों पड़ी?

ललित शर्मा
संपादक

मक्का में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान का रक्षा समझौता पश्चिम एशिया के बदलते सुरक्षा-समीकरण का संकेत है। 7 अगस्त को अल-सफा पैलेस में मोहम्मद बिन सलमान, रेजेप ताय्यिप एर्दोआन और शहबाज शरीफ ने इस पर हस्ताक्षर किए। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर भी मौजूद रहे। समझौते के तहत एक देश पर सशस्त्र हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यह नाटो की धारा पांच जैसा प्रावधान है, हालाँकि नाटो की तरह बाध्यकारी सैन्य संरचना या स्पष्ट सैन्य कार्रवाई का प्रावधान सार्वजनिक रूप से ज्ञात नहीं है। क्षेत्रीय अस्थिरता, ईरान से जुड़े क्षेत्रीय संघर्ष/युद्ध और अमेरिकी सुरक्षा-प्रतिबद्धताओं पर सवालों ने तीनों को सामूहिक सुरक्षा का विकल्प तलाशने को प्रेरित किया है। इसकी बुनियाद धार्मिक एकता से अधिक साझा असुरक्षा और क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता है। मक्का में बनी यह सुरक्षा-धुरी अचानक नहीं बनी। इसकी पहली कड़ी पिछले वर्ष सितंबर में सऊदी अरब और पाकिस्तान के रणनीतिक पारस्परिक रक्षा करार से जुड़ी थी। तुर्की के शामिल होने से यह द्विपक्षीय ढांचा त्रिकोणीय हो गया है। संयुक्त बयान के अनुसार, लक्ष्य सामूहिक निवारक क्षमता मजबूत करना और रक्षा सहयोग बढ़ाना है। यानी साझेदारी केवल हमले की स्थिति में साथ खड़े होने तक सीमित नहीं है। हालांकि इसकी असली ताकत संकट में सामने आएगी। अभी स्पष्ट नहीं है कि किसी सदस्य पर हमले की स्थिति में बाकी दोनों का सहयोग राजनीतिक समर्थन तक रहेगा या सैन्य-रसद सहायता भी देनी होगी। समझौते का पूरा पाठ सार्वजनिक न होने से घोषणा और वास्तविक सैन्य प्रतिबद्धता के बीच दूरी बनी हुई है। तीनों की क्षमताएं अलग हैं, लेकिन यही अंतर इस साझेदारी को वजन देता है। सऊदी अरब आर्थिक और वित्तीय ताकत के साथ इस्लामी दुनिया में आध्यात्मिक प्रभाव रखता है। तुर्की विकसित रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक, सैन्य आधुनिकीकरण और नाटो अनुभव से लैस है। पाकिस्तान परमाणु शक्ति, अनुभवी सशस्त्र बल और क्षेत्रीय सैन्य अनुभव लेकर इस ढांचे में आया है। इस तरह पूंजी, तकनीक और सैन्य क्षमता एक मंच पर मिलती हैं। तीनों ने इसे रक्षात्मक समझौता बताया है। उनके अनुसार, यह किसी देश के खिलाफ नहीं है, न सैन्य धुरी या सांप्रदायिक गुट है और न परमाणु महत्वाकांक्षा या हथियारों की होड़ से जुड़ा है। समझौते में अन्य क्षेत्रीय देशों के लिए भी शामिल होने का रास्ता खुला है। भारत के लिए चुनौती नए मोर्चे से ज्यादा पाकिस्तान को मिलने वाली अतिरिक्त ताकत की है। समझौते से उसे सऊदी पूंजी और तुर्की तकनीक का सहारा मिल सकता है, जिससे उसका सामरिक आत्मविश्वास बढ़े। अतीत में बाहरी समर्थन मिलने पर पाकिस्तान की सीमा-पार गतिविधियों में आक्रामकता बढ़ने के उदाहरण रहे हैं। हालांकि सऊदी अरब के साथ भारत के गहरे रिश्ते इस समीकरण को जटिल बनाते हैं। ऊर्जा, व्यापार, निवेश और खाड़ी में करोड़ों भारतीयों की मौजूदगी ने दोनों देशों के संबंध मजबूत किए हैं। इसलिए रियाध को भारत-विरोधी कदम उठाने वाला मानना उचित नहीं। तुर्की की पाकिस्तान के प्रति पुरानी सहानुभूति है, लेकिन भारत से उसके आर्थिक हित भी जुड़े हैं। लिहाजा यह समझौता भारत के खिलाफ सीधा मोर्चा नहीं, लेकिन रणनीतिक सतर्कता का संकेत है। किसी समझौते की असली पहचान उसके ऐलान से नहीं, संकट में उसके निभाए जाने से होती है। इसलिए इसे 'इस्लामी नाटो' कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन मामूली घटना मानना भी भूल होगी। सामूहिक रक्षा व्यवस्था की ताकत नाम नहीं, सदस्यों के आपसी भरोसे और संकट में कार्रवाई की क्षमता से तय होती है।

सत्य मौन खड़ा है

उदय कशोर साह

कविता

सत्य अकेला कोने में मौन खड़ा है
पर झुठे के घर पे लगी आज मेला है
बेईमानों से सज गई है ये राजदरबार
सब करते हैं जालिमों की जय जयकार

सत्य अकेला कोने में मौन खड़ा है
पर हैवानों के संग संग हजारों चेला है
ये है कलियुग की नई नई कुविचार
गद्दारों के घर पे रोशनी से है उजियार

सत्य अकेला कोने। में मौन खड़ा है
पर शैतानों की गली में हुड़दंग का खेला है
फिर भी जग वाले ना करता इन पे विचार
जालिमों से भरी पड़ी है ये जग संसार

सत्य अकेला कोने में मौन खड़ा है
पर गुण्डे मवाली का हर मोड़ पे डेरा है
गरीबों पे हो रही है नित्य ही अत्याचार
फिर भी जालिमों के पीछे खड़े हैं हजार

सत्य अकेला कोने में मौन खड़ा है
फिर भी पापी अधम के साथ सब अड़ा है
घटिया राजनीति की बह रही है अब बयार
कौन करेगा इनके डर से इनका तिरस्कार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ बच्चों तक नहीं पहुँचतीं

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके बच्चों के हाथों में होता है और बच्चों का भविष्य उनकी शिक्षा, संस्कार तथा कल्पनाशक्ति पर निर्भर करता है। यही कारण है कि बाल साहित्य को किसी भी सभ्य समाज की सांस्कृतिक धरोहर माना जाता है। बाल साहित्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि वह बच्चे के व्यक्तित्व, भाषा, संवेदना, नैतिकता, कल्पना और चिंतन को आकार देने का कार्य करता है। कहानियाँ, कविताएँ, बालगीत, पहेलियाँ, चित्रकथाएँ और बाल पत्रिकाएँ बच्चों के भीतर जिज्ञासा और सृजनशीलता का विकास करती हैं।

विडंबना यह है कि आज उत्कृष्ट बाल साहित्य लिखा भी जा रहा है और अनेक प्रतिष्ठित बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ नियमित रूप से प्रकाशित भी हो रही हैं, फिर भी वे बच्चों तक नहीं पहुँच पा रही हैं। यह एक गंभीर सांस्कृतिक संकट है। जब बाल साहित्य बच्चों तक नहीं पहुँचेगा, तो वह अपने उद्देश्य को कैसे पूरा करेगा? यह प्रश्न केवल प्रकाशकों का नहीं, बल्कि पूरे समाज, शिक्षा व्यवस्था और अभिभावकों का भी है। आज का बच्चा मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो गेम और सोशल मीडिया की दुनिया में अधिक समय बिता रहा है। उसके हाथ में कहानी की पुस्तक या बाल पत्रिका कम और मोबाइल फोन अधिक दिखाई देता है। तकनीक स्वयं समस्या नहीं है, लेकिन जब वह पुस्तक संस्कृति का स्थान लेने लगे तो चिंता स्वाभाविक है। दुर्भाग्य से बच्चों के लिए साहित्यिक पत्रिकाएँ उस आकर्षण और पहुँच का निर्माण नहीं कर सकीं, जिसकी आवश्यकता थी। एक समय था जब नंदन, चंपक, बाल भारती, बालहंस, देवपुत्र, चकमक जैसी पत्रिकाओं का बच्चे बेसब्री से इंतजार करते थे। डाकिया जब पत्रिका लेकर आता था तो बच्चे उत्साह से उसे पढ़ते, चित्र देखते, पहेलियाँ हल करते और अपनी रचनाएँ भेजने का सपना देखते थे। इन पत्रिकाओं ने न जाने कितने लेखकों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और संवेदनशील नागरिकों को तैयार किया। आज वही परंपरा धीरे-धीरे कमजोर पड़ती जा रही है। इस समस्या का सबसे बड़ा कारण वितरण व्यवस्था की कमजोरी है। अधिकांश बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ सीमित प्रतियों में प्रकाशित होती हैं। वे बड़े शहरों तक तो किसी तरह पहुँच जाती हैं, लेकिन छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों तक नहीं पहुँच पातीं। पुस्तक विक्रेताओं के लिए भी बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ लाभ का बड़ा माध्यम नहीं होतीं, इसलिए वे उन्हें मंगाने में विशेष रुचि नहीं दिखाते। विद्यालयों की भूमिका भी इस संदर्भ में निराशाजनक रही है। अधिकांश सरकारी और निजी विद्यालयों में पुस्तकालय तो हैं, लेकिन उनमें नई बाल साहित्यिक पत्रिकाओं का नियमित आगमन नहीं होता। पुस्तकालय यदि हैं भी तो बच्चों को स्वतंत्र रूप से पढ़ने का अवसर बहुत कम मिलता है। परीक्षा-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था ने पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त पढ़ने की संस्कृति को लगभग समाप्त कर दिया है। अभिभावकों की सोच भी बदल गई है। वे बच्चों के लिए महंगे खिलौने, मोबाइल और कोचिंग पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं, लेकिन वर्ष भर की किसी बाल पत्रिका की सदस्यता लेने में रुचि नहीं दिखाते।

उन्हें लगता है कि परीक्षा में अंक लाने के लिए केवल पाठ्यपुस्तकें पर्याप्त हैं। वे यह भूल जाते हैं कि जीवन में सफल होने के लिए केवल अंक नहीं, बल्कि भाषा, कल्पना, संवेदनशीलता और व्यक्तित्व भी आवश्यक हैं। बाल साहित्य के प्रचार-प्रसार में मीडिया की उदासीनता भी एक कारण है। समाचार पत्रों और टीवी चैनलों पर फिल्मों, खेलों और मनोरंजन की भरमार है, लेकिन बाल साहित्य पर चर्चा बहुत कम दिखाई देती है। जब किसी क्षेत्र को पर्याप्त सार्वजनिक स्थान नहीं मिलेगा, तो उसकी लोकप्रियता भी सीमित रह जाएगी। आज के डिजिटल युग में बाल साहित्यिक पत्रिकाओं को भी समय के साथ बदलने की आवश्यकता है। केवल मुद्रित संस्करण पर्याप्त नहीं हैं। यदि पत्रिकाएँ मोबाइल ऐप, ई-पत्रिका, ऑडियो कहानियाँ, एनिमेटेड कविताएँ और इंटरैक्टिव सामग्री के रूप में बच्चों तक पहुँचें, तो उनकी उपयोगिता और लोकप्रियता दोनों बढ़ सकती हैं। तकनीक को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि सहयोगी बनाया जाना चाहिए। भाषा का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। बच्चों की भाषा सरल, रोचक और संवादात्मक होनी चाहिए। कई बार बाल पत्रिकाओं की सामग्री अत्यधिक उपदेशात्मक या कठिन हो जाती है, जिससे बच्चे उसमें रुचि नहीं लेते। आधुनिक बच्चे की जिज्ञासाओं, विज्ञान, पर्यावरण, अंतरिक्ष, रोबोटिक्स, खेल, लोककथाओं और समकालीन विषयों को भी रचनात्मक ढंग से शामिल करना आवश्यक है। सरकारी स्तर पर भी गंभीर प्रयासों की आवश्यकता है। शिक्षा विभाग प्रत्येक विद्यालय के पुस्तकालय में चुनिंदा बाल साहित्यिक पत्रिकाओं की अनिवार्य सदस्यता सुनिश्चित कर सकता है। राष्ट्रीय और राज्य पुस्तकालय योजनाओं में बाल साहित्य को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यदि मिड-डे मील बच्चों के शारीरिक पोषण के लिए आवश्यक है, तो बाल साहित्य उनके बौद्धिक और सांस्कृतिक पोषण के लिए उतना ही आवश्यक है। लेखकों और संपादकों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। उन्हें बच्चों के बदलते मनोविज्ञान को समझते हुए ऐसी सामग्री तैयार करनी होगी जो मनोरंजक भी हो और ज्ञानवर्धक भी। बाल साहित्य बच्चों को उपदेश देने का माध्यम नहीं, बल्कि उनके साथ मित्रवत संवाद का माध्यम होना चाहिए। समाज में पढ़ने की संस्कृति विकसित करना भी समय की मांग है। परिवार में यदि माता-पिता स्वयं पुस्तकें पढ़ेंगे, तो बच्चे भी पढ़ने के लिए प्रेरित होंगे। विद्यालयों में 'एक पीरियड पुस्तकालय के नाम', 'मासिक पत्रिका दिवस', 'कहानी पाठ', 'बाल लेखक से संवाद' और 'पुस्तक मित्र अभियान' जैसे कार्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं। यह भी आवश्यक है कि बाल साहित्य को केवल प्रतियोगिताओं तक सीमित न रखा जाए। बच्चों को पत्रिकाओं में अपनी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र और पत्र प्रकाशित कराने के अवसर मिलने चाहिए। जब बच्चा स्वयं किसी पत्रिका का हिस्सा बनता है, तो उसका उससे भावनात्मक संबंध भी मजबूत होता है। ग्रामीण भारत के संदर्भ में यह आवश्यकता और अधिक महत्वपूर्ण है। वहाँ अनेक बच्चों के पास डिजिटल संसाधन सीमित हैं। यदि गुणवत्तापूर्ण बाल पत्रिकाएँ विद्यालयों और पंचायत पुस्तकालयों तक नियमित पहुँचें, तो वे बच्चों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती हैं। बाल साहित्य किसी भी राष्ट्र की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करता है। यह बच्चों को केवल भाषा नहीं सिखाता, बल्कि जीवन जीने की कला, मानवीय मूल्य, प्रकृति प्रेम, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सिखाता है। यदि हमारी आने वाली पीढ़ी पुस्तकों और पत्रिकाओं से दूर होती गई, तो उसका प्रभाव केवल साहित्य पर नहीं, बल्कि समाज के बौद्धिक और नैतिक विकास पर भी पड़ेगा। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि बाल साहित्यिक पत्रिकाएँ क्यों प्रकाशित हो रही हैं; प्रश्न यह है कि वे बच्चों तक क्यों नहीं पहुँच रहीं। जब तक लेखक, प्रकाशक, विद्यालय, अभिभावक, सरकार और समाज मिलकर इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं करेंगे, तब तक श्रेष्ठ बाल साहित्य सीमित दायरों में ही सिमटा रहेगा। आज आवश्यकता केवल नई पत्रिकाएँ निकालने की नहीं, बल्कि बच्चों तक उन्हें पहुँचाने की है। क्योंकि जिस दिन हर बच्चे के हाथ में फिर से एक अच्छी बाल साहित्यिक पत्रिका होगी, उसी दिन पढ़ने की संस्कृति, कल्पनाशक्ति और मानवीय संवेदनाएँ भी नए उत्साह के साथ लौटेंगी। यही भविष्य के जागरूक, संवेदनशील और सशक्त भारत की सबसे मजबूत नींव होगी।

जेन-जेड का सियासी विस्फोट: 2029 में बदलेगा सत्ता का गणित

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर 9 अगस्त 2026 की स्थिति को आधार बनाकर देखें तो भारत की राजनीति में एक ऐसा पीढ़ीगत बदलाव दिखाई देने लगा है, जिसे अब केवल युवा मतदाता कहकर टालना संभव नहीं है। जेन-जेड आमतौर पर 1997 से 2012 के बीच जन्मी पीढ़ी का सबसे बड़ा प्रभाव यह है कि इसका राजनीतिक व्यवहार परंपरागत राजनीतिक निष्ठाओं, जातीय समीकरणों और दलगत पहचान से आगे बढ़कर रोजगार, शिक्षा, पारदर्शिता परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल स्वतंत्रता और जवाबदेही जैसे प्रत्यक्ष मुद्दों से जुड़ता दिखाई दे रहा है। हालांकि एक महत्वपूर्ण सावधानी जरूरी है, जेन-जेड कोई आधिकारिक चुनावी श्रेणी नहीं है और इसकी आयु -सीमा पर पूर्ण सहमति भी नहीं है; इसलिए भारत में इसके मतदाताओं की सटीक संख्या बताने के बजाय आयु-समूह और मतदाता- आंकड़ों के आधार पर अनुमान लगाना अधिक वैज्ञानिक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र जेन जेड की स्थिति पर लगातार नजर गड़ाए हुए हूँ और यह मानता हूं कि, भारत में 2026 के परीक्षा-पत्र लीक और परीक्षा-व्यवस्था के विरुद्ध हुए युवा आंदोलन ने इस बदलाव को असाधारण रूप से सामने ला दिया। हजारों-लाखोंयुवाओं की नाराजगी केवल एक परीक्षा या एक प्रशासनिक निर्णय तक सीमित नहीं रही, बल्कि उसने मेहनत का निष्पक्ष परिणाम, व्यवस्था की जवाबदेही और भविष्य की सुरक्षा जैसे व्यापक सवालों को राजनीतिक विमर्श में ला दिया। आगामी विधानसभा चुनावों (उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश आदि) में जेन जी की स्थिति और उनके 5 प्रतिशत वोट के प्रभाव से संभोग तो गणित बिगाड़ सकता है। जुलाई 2026 में युवा प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा -पत्र लीक को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की और सरकार के साथ बातचीत भी हुई। 9 अगस्त की स्थिति में उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में इस आंदोलन को भारत में युवा असंतोष के बड़े राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम को केवल भारत की सीमा के भीतर देखना भी पर्याप्त नहीं होगा। दक्षिण एशिया के तीन पड़ोसी देशों, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में पिछले कुछ वर्षों में युवा-प्रधान जनआंदोलनों ने सत्ता की स्थिरता को सीधे चुनौती दी। श्रीलंका में 2022 का व्यापक जनआंदोलन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को सत्ता छोड़ने की स्थिति तक ले गया। बांग्लादेश में 2024 के छात्र- नेतृत्व वाले आंदोलन ने प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को गिरा दिया।

नेपाल में सितंबर 2025 में भ्रष्टाचार, राजनीतिक विशेषाधिकार और सामाजिक- मीडिया प्रतिबंधों के विरोध में शुरू हुए युवा आंदोलन ने प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली के इस्तीफे का रास्ता बनाया। इन तीनों घटनाओं में परिस्थितियां अलग थींऔर इन्हें पूरी तरह एक ही जेन-जेड क्रांति कहना अतिसरलीकरण होगा, लेकिन एक साझा संदेश स्पष्ट है डिजिटल रूप से संगठित युवा असंतोष अब राजनीतिक सत्ता को चुनौती देने की क्षमता रखता है। साथियों, यही वह बिंदु है जहां भारतीय पीएम की सोशल -मीडिया रणनीति में दिखाई देने वाला बदलाव महत्वपूर्ण हो जाता है। राजनीति में लंबे समय तक संदेश मुख्यतः भाषणों रैलियों, टेलीविजन और संगठित कार्यकर्ता नेटवर्क के माध्यमसे पहुंचाया जाता था। लेकिन अब इंस्टाग्राम रील, यूट्यूब शॉर्ट्स, छोटे वीडियो, मीम-संस्कृति और प्रत्यक्ष डिजिटल संवाद उस राजनीतिक भाषा का हिस्सा बन गए हैं जिसे युवा प्रतिदिन इस्तेमाल करते हैं। हाल के दिनों में मोदी और भाजपा से जुड़े डिजिटल संचार में युवाओं के अनुकूल छोटे और अधिक अनौपचारिक प्रारूपों पर ध्यान बढ़ने की चर्चा हुई है। हालांकि इसे केवल परीक्षा आंदोलन की प्रतिक्रिया कहना अभी जल्दबाजी होगी; यह व्यापक डिजिटल राजनीतिक परिवर्तन का हिस्सा है। दूसरी ओर विपक्ष के नेता ने भी जेन-जेड के साथ अपेक्षाकृत अनौपचारिक डिजिटल संवाद का रास्ता अपनाया है। उनके सोशल- मीडिया संवाद में राजनीति के साथ फिटनेस, व्यक्तिगत अनुभव, युवा भाषा और सीधे संवाद को जोड़ा जा रहा है। 2025 में उनके आधिकारिक डिजिटल संवाद में जेन-जेड की राजनीतिक ऊर्जा पर सीधे बात भी दिखाई दी, जबकि अगस्त 2026 में उनकी फिटनेस संबंधी पोस्ट को भी जेन-जेड से जुड़ने की रणनीति के रूप में रिपोर्ट किया गया। इसी प्रकार भारत की सबसे बड़ी स्वयंसेवी संस्था के सरसंघ चालक द्वारा जेन-जेड से संवाद और युवा आंदोलनों को समझने की आवश्यकता पर दिया गया जोर यह बताता है कि यह बदलाव केवल चुनावी दलों तक सीमित नहीं है। हालिया टिप्पणी में भागवत ने युवा आंदोलनों को स्वतः राष्ट्र-विरोधी मानने के बजाय नई पीढ़ी के साथ संवाद और परिवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया। इसका व्यापक राजनीतिक अर्थ यह है कि भारतीय राजनीति की पारंपरिक संस्थाएं अब समझ रही हैं कि नई पीढ़ी को केवल भाषण देकर प्रभावित नहीं किया जा सकता; उसके सवालों के सटीकता से उत्तर भी देने होंगे। साथियों, यही कारण है कि भाजपा से कांग्रेस, क्षेत्रीय दलों से लेकर विभिन्न सामाजिक- राजनीतिक संगठनों तक सभी के सामने एक समान चुनौती खड़ी हो गई है जेन -जेड को केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि संवाद-साझेदार कैसे बनाया जाए। आज का युवा पार्टी कार्यालय में आने से पहले पार्टी का इंस्टाग्राम देखता है, भाषण सुनने से पहले उसका छोटा वीडियो देखता है और नेता के दावे को स्वीकार करने से पहले अनेक डिजिटल स्त्रोतों से उसकी जांच कर सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि जेन-जेड पारंपरिक राजनीति को पूरी तरह अस्वीकार कर देगा; बल्कि इसका अर्थ यह है कि राजनीतिक विश्वसनीयता बनाने का रास्ता बदल रहा है। सबसे महत्वपूर्ण सवाल है भारत में जेन-जेड की राजनीतिक शक्ति कितनी बड़ी है? यहां 38 करोड़ जेन- जेड मतदाता कहना सटीक नहीं होगा। लगभग 38 करोड़ का आंकड़ा भारत के व्यापक युवा वर्ग के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन जेन-जेड की पूरी जनसंख्या और उसके पात्र मतदाताओं को एक ही संख्या मानना गलत होगा। हालिया रिपोर्टों में भारत की 15-29 वर्ष आयु वाली युवा आबादी लगभग 37 करोड़ बताई गई है। इनमें सभी जेन-जेड नहीं हैं और सभी मतदाता भी नहीं हैं। इसलिए आपके दिए गए 38 करोड़ के आंकड़े को युवा वर्ग की व्यापक क्षमता के संकेतक के रूप में देखना चाहिए, न कि जेन-जेड के प्रमाणित मतदाता आंकड़े के रूप में। साथियों, फिर भी राजनीतिक गणित को समझने के लिए एक सरल उदाहरण बेहद महत्वपूर्ण है। यदि किसी व्यापक युवा मतदाता समूह में केवल 5 प्रतिशत लोग चुनाव- दर-चुनाव अपना राजनीतिक रुझान बदलते हैं और यह संख्या लगभग 1.9 करोड़ तक पहुंचती है, तो यह कई निर्वाचन क्षेत्रों में परिणाम बदलने के लिए पर्याप्त प्रभाव पैदा कर सकती है।

चरित्रहीन-लोलुप राजनीति: बिखरता समाज, टूटता विश्वास और असुरक्षित भविष्य

एनके शर्मा
लेखक

राजनीति कभी केवल सत्ता प्राप्त करने की कला नहीं थी। राजनीति का मूल अर्थ था—लोकहित, व्यवस्था का संरक्षण, न्याय की स्थापना और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर समाज का निर्माण। लोकतंत्र की आत्मा इसी विश्वास पर टिकी होती है कि जिन लोगों को जनता अपने प्रतिनिधि के रूप में चुनती है, वे निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर सार्वजनिक जीवन की मयार्दा, संविधान की गरिमा और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। लेकिन जब राजनीति सेवा से सत्ता, सत्ता से स्वार्थ और स्वार्थ से लूट का माध्यम बन जाए, तब लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट चुनाव नहीं होता—चरित्र का पतन होता है।

आज का सबसे भयावह प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सी पार्टी सत्ता में है और कौन-सी विपक्ष में; प्रश्न यह है कि क्या सार्वजनिक जीवन में नैतिकता अभी भी कोई मूल्य रखती है? क्या राजनीति में प्रवेश करने का उद्देश्य जनसेवा है अथवा प्रभाव, प्रतिष्ठा, संपत्ति, संरक्षण और सार्वजनिक संसाधनों पर नियंत्रण प्राप्त करना? क्या 'समाजसेवा' वास्तव में समाज के लिए है अथवा समाज के नाम पर सत्ता और संसाधनों तक पहुँच बनाने का सबसे सुविधाजनक मुखौटा बन चुकी है? ये प्रश्न असहज हैं, लेकिन लोकतंत्र में कुछ प्रश्न ऐसे होते हैं जिन्हें पूछना ही राष्ट्रसेवा है। राजनीति का चरित्र जब गिरता है तो उसका प्रभाव केवल संसद, विधानसभा, नगर निकाय या राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रहता। वह धीरे-धीरे प्रशासन में उतरता है, संस्थाओं में फैलता है, बाजार को प्रभावित करता है, शिक्षा को दूषित करता है, युवाओं की आकांक्षाओं को बदलता है और अंततः समाज के नैतिक विवेक को कमजोर कर देता है। फिर एक ऐसी व्यवस्था जन्म लेती है जिसमें ईमानदार व्यक्ति मूर्ख दिखाई देने लगता है और चालाक व्यक्ति सफल। यही किसी भी सभ्य समाज के पतन का सबसे खतरनाक चरण है। भ्रष्टाचार का सबसे खतरनाक रूप वह नहीं है जिसमें कोई व्यक्ति खुलेआम रिश्वत लेता है। उससे भी अधिक खतरनाक वह भ्रष्टाचार है जो स्वयं को 'जनसेवा', 'विकास', 'गरीबों की लड़ाई', 'सामाजिक न्याय' अथवा 'जनहित' के सुंदर शब्दों में लपेट लेता है। क्योंकि तब भ्रष्टाचार केवल धन का लेन-देन नहीं रह जाता—वह नैतिक धोखे में बदल जाता है। जनता की भावनाओं को जगाना, किसी समुदाय के दर्द को राजनीतिक पूंजी में बदलना, विकास के नाम पर योजनाओं का राजनीतिक स्वामित्व स्थापित करना, सरकारी संसाधनों को अपने प्रभाव क्षेत्र का साधन बनाना और फिर उसी व्यवस्था से निजी प्रतिष्ठा तथा आर्थिक लाभ अर्जित करना—यह लोकतंत्र की उस मूल भावना के साथ विश्वासघात है जिसके कारण जनता अपने प्रतिनिधियों को अधिकार सौंपती है। सार्वजनिक धन किसी नेता, अधिकारी, संस्था या राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं है। वह किसान के खेत से आया हुआ कर है। वह मजदूर की मेहनत का हिस्सा है। वह दुकानदार की कमाई पर लगा कर है। वह कर्मचारी के वेतन से काटा गया पैसा है। वह उस गरीब नागरिक का योगदान है जो शायद अपने बच्चों की फीस और दवा के बीच चुनाव करने को विवश है। इसलिए सरकारी धन की चोरी केवल वित्तीय अपराध नहीं—जनता के विश्वास की चोरी है। और जब इसी धन से राजनीति अपनी छवि चमकाती है, समारोह आयोजित करती है, प्रचार करती है, कृपा बाँटती है और फिर उसी कृपा को राजनीतिक एहसान में बदलती है, तब लोकतंत्र और जनहित के बीच की सीमा धुंधली होने लगती है। भ्रष्टाचार को अक्सर केवल रिश्वतखोरी तक सीमित कर दिया जाता है। लेकिन भ्रष्टाचार का वास्तविक विस्तार कहीं अधिक व्यापक है। नियमों का जानबूझकर दुरुपयोग भी भ्रष्टाचार है। योग्य व्यक्ति को किनारे करके अयोग्य व्यक्ति को लाभ देना भी भ्रष्टाचार है। सरकारी निर्णय को निजी हित के अनुसार प्रभावित करना भी भ्रष्टाचार है। जनता की शिकायत को वर्षों तक दबाकर रखना भी भ्रष्टाचार है। सत्ता के निकट लोगों को अनुचित लाभ देना भी भ्रष्टाचार है। सरकारी परियोजनाओं में गुणवत्ता से समझौता करना भी भ्रष्टाचार है। कागजों पर विकास और जमीन पर विनाश भी भ्रष्टाचार है। और सबसे बढ़कर—गलत को गलत जानते हुए भी सत्ता, पद या लाभ के कारण मौन रहना भी भ्रष्ट व्यवस्था को शक्ति देता है। जब भ्रष्टाचार संस्थागत हो जाता है तो भ्रष्ट व्यक्ति अकेला दोषी नहीं रहता। उसके आसपास एक पूरा पारिस्थितिकी तंत्र बन जाता है—दलाल, ठेकेदार, प्रभावशाली बिचौलिये, अवसरवादी राजनेता, सुविधा के अनुसार झुकने वाले अधिकारी, मौन साधे रहने वाले लोग और उन सबके बीच अपना हिस्सा तलाशते हुए अनेक छोटे-बड़े हितसमूह। तब भ्रष्टाचार व्यक्ति से बड़ा हो जाता है और व्यवस्था का चरित्र बदलने लगता है। राजनीतिक भ्रष्टाचार का सबसे खतरनाक हथियार जनता का विभाजन है। जब शासन अपने प्रदर्शन से जनता को संतुष्ट नहीं कर पाता, तब राजनीति के पास एक आसान रास्ता बचता है—जनता को आपस में बाँट दो। जाति के नाम पर, धर्म के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर, भाषा के नाम पर, गरीब-अमीर के नाम पर, बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक के नाम पर, शहरी-ग्रामीण के नाम पर। और जब समाज एक-दूसरे पर संदेह करने लगे, तब असली प्रश्न पीछे छूट जाता है। फिर कोई यह नहीं पूछता कि सार्वजनिक धन कहाँ गया। कोई यह नहीं पूछता कि परियोजना की लागत क्यों बढ़ी। कोई यह नहीं पूछता कि सड़क पहली बारिश में क्यों टूट गई। कोई यह नहीं पूछता कि अस्पताल में दवा क्यों नहीं है। कोई यह नहीं पूछता कि विद्यालय में शिक्षक क्यों नहीं हैं। कोई यह नहीं पूछता कि बेरोजगार युवा क्यों भटक रहा है। क्योंकि जनता को मूल प्रश्नों से हटाकर भावनात्मक प्रश्नों में उलझा दिया गया है। विभाजित समाज भ्रष्ट सत्ता के लिए सबसे सुरक्षित समाज होता है। जो जनता आपस में लड़ रही हो, वह सत्ता से जवाब मांगने की सामूहिक शक्ति खो देती है। राजनीति में धन की भूमिका लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के लिए कोई नया प्रश्न नहीं है।

हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर हुई पुष्प वर्षा, गूंजे 'हर हर महादेव' और 'बोल बम'- के जयकारे

डीएम कविता मीणा एवं एसपी कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने कांवड़ियों का किया भव्य स्वागत, ब्रजघाट से छपकोली तक दिखा आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम

वेलकम इंडिया, राजेंद्र सिंह

हापुड़। सावन माह के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा के दौरान जनपद हापुड़ से गुजर रहे शिवभक्त कांवड़ियों के स्वागत एवं उत्साहवर्धन के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष आयोजन किया गया। जिलाधिकारी कविता मीणा एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने हेलीकॉप्टर से ब्रजघाट गंगा एवं छपकोली शिव मंदिर क्षेत्र में कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर उनका भव्य अभिनंदन किया। आसमान से बरसते फूलों के बीच शिवभक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भोलेनाथ की भक्ति से सराबोर हो गया। हेलीकॉप्टर से जैसे ही कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा शुरू हुई, श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कांवड़ियों ने हाथ उठाकर पुष्प वर्षा का स्वागत किया और पूरे क्षेत्र में 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारे गूंजने लगे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में भी कैद किया। ब्रजघाट गंगा से लेकर छपकोली शिव मंदिर क्षेत्र तक माहौल पूरी तरह शिवमय नजर आया। जिलाधिकारी कविता मीणा ने कांवड़ियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा, सेवा और अनुशासन का पर्व है। दूर-दराज के क्षेत्रों से लाखों श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए पवित्र गंगाजल लेने और अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करने के लिए हापुड़ जनपद से होकर गुजरते हैं। जिला प्रशासन का प्रयास है कि प्रत्येक कांवड़िया सुरक्षित, सुगम और सुखद यात्रा पूरी कर सके। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा, स्वास्थ्य, यातायात, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। कांवड़ मार्गों पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कांवड़ियों से भी शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से यात्रा करने तथा प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने भी कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और सुगम आवागमन को लेकर पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। पुलिस प्रशासन की ओर से कांवड़ मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ विनम्र व्यवहार करने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ब्रजघाट गंगा एवं छपकोली शिव मंदिर क्षेत्र में हेलीकॉप्टर से हुई पुष्प वर्षा कांवड़ियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। आसमान से बरसते फूलों के बीच कांवड़ियों ने हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारे लगाए। कई श्रद्धालुओं ने हाथों में तिरंगा और भगवा ध्वज लेकर उत्साह व्यक्त किया। कांवड़ियों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुष्प वर्षा से उन्हें सम्मान और अपनत्व का अनुभव हुआ है। श्रद्धालुओं ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं से उन्हें काफी सुविधा मिल रही है। पुष्प वर्षा के इस आयोजन ने कांवड़ यात्रा के उत्साह को और बढ़ा दिया। इस दौरान ब्रजघाट एवं छपकोली क्षेत्र में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, पुलिसकर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही। पूरा क्षेत्र 'हर हर महादेव', 'बोल बम' और भगवान शिव के जयकारों से गूंजता रहा और कांवड़ यात्रा का माहौल भक्तिमय बना रहा।

सिम्भावली पुलिस का बड़ा खुलासा: विद्युत तार चोरी करने वाले गिरोह के 5 सदस्य गिरफ्तार, 2.5 कुंतल तार बरामद

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना सिम्भावली पुलिस ने चेकिंग के दौरान विद्युत तार चोरी करने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए उसके 05 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से करीब 2.5 कुंतल चोरी का विद्युत तार, 40 हजार रुपये की नकदी, तार चोरी करने के उपकरण, अवैध असलहा तथा घटना में प्रयुक्त दो वाहन बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त शातिर किस्म के विद्युत तार चोर एवं अपराधी हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के जंगल ग्राम मुदाफरा, थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के अलावा जनपद गाजियाबाद, मेरठ, संभल सहित अन्य स्थानों पर विद्युत तार चोरी की घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।कई जिलों में फैला था गिरोह का नेटवर्क पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार अभियुक्त लंबे समय से विद्युत तार चोरी की घटनाओं में सक्रिय थे। इनके विरुद्ध जनपद हापुड़, गाजियाबाद, संभल और बिजनौर में विद्युत तार चोरी, आर्म्स एक्ट सहित अन्य आपराधिक मामलों के करीब सात दर्जन से अधिक अभियोग पंजीकृत बताए गए हैं। सिम्भावली पुलिस की इस कार्रवाई से विद्युत तार चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस ने बरामद वाहनों, चोरी के तार, नकदी, उपकरण और अवैध असलहे को कब्जे में लेकर गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पानी में मिला अज्ञात शव, इलाके में मचा हड़कंप; जांच में जुटी पुलिस

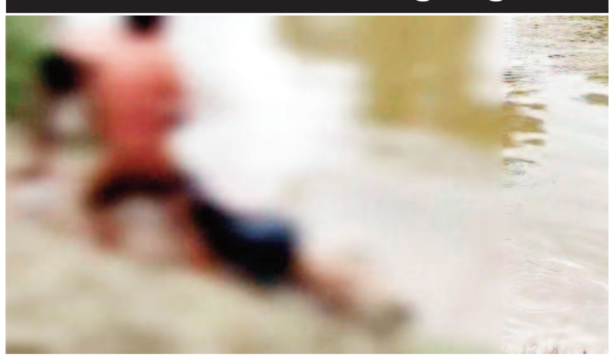

वेलकम इंडिया संवाददाता

लोटन/सिद्धार्थनगर। लोटन थाना क्षेत्र में रविवार को पानी में अज्ञात शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जगदीश स्वामी मंदिर से करीब 100 मीटर आगे पानी में लोगों ने शव देखा। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल घटना की जानकारी लोटन पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस की मौजूदगी में शव को पानी से बाहर निकलवाने की कार्रवाई की गई। फिलहाल मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। शव पानी में किन परिस्थितियों में पहुंचा, इसकी भी जानकारी नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास शुरू कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

शेखर कपूर बने सराफा एसोसिएशन हापुड़ के मीडिया प्रभारी

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। सराफा एसोसिएशन हापुड़ की कार्यसमिति की एक विशेष बैठक सिटी प्लाजा, हापुड़ में आयोजित हुई। बैठक में सराफा व्यापार से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में संगठन के प्रधान शरद अग्रवाल ने बताया कि सराफा बाजार संघों में समय-समय पर नए पदाधिकारियों का चुनाव एवं मनोनयन किया जाता है। इसी क्रम में हापुड़ सराफा एसोसिएशन द्वारा शेखर कपूर को मीडिया प्रभारी की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।नवनियुक्त मीडिया प्रभारी शेखर कपूर ने एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिस विश्वास, सम्मान और उम्मीद के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है, वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की एकता बनाए रखना, व्यापारियों के हितों की रक्षा करना तथा सराफा बाजार से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करना उनकी प्राथमिकता रहेगी।उन्होंने कहा कि एसोसिएशन को और अधिक संगठित एवं प्रभावशाली बनाने के लिए सभी सदस्यों को साथ लेकर कार्य किया जाएगा तथा संगठन की गतिविधियों को बेहतर तरीके से मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुंचाया जाएगा। बैठक के दौरान व्यापारिक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।इस अवसर पर एसोसिएशन के उप प्रधान सनी जैन, मंत्री वीरेंद्र कुमार (पिल्लू), संरक्षक अरविंद शर्मा, कोषाध्यक्ष आयुष शर्मा, दीपक अग्रवाल, निकेत सिंगल, विजय शर्मा, नरेंद्र कुमार, संजीव जैन, बॉबी, संदीप गोयल, विवेक गुप्ता, लोकेश गुप्ता सहित कार्यसमिति के अन्य सदस्य एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

45 दिन बाद सऊदी से गांव पहुंचा रिजवान का पार्थिव शरीर, नम आंखों से दी अंतिम विदाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

त्रिलोकपुर/सिद्धार्थनगर। सऊदी अरब के नजरान शहर में करीब डेढ़ माह पहले हृदयगति रुकने से मृत डोकम अमया गांव निवासी रिजवान अहमद (60) का पार्थिव शरीर रविवार को पैतृक गांव पहुंचा। शाम को गमगीन माहौल में स्थानीय कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। रविवार सुबह हवाई मार्ग से पार्थिव शरीर लखनऊ के अमौसी हवाई अड्डे पहुंचा। जरूरी वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद परिजनों को दोपहर ने ही शव सौंप दिया गया। परिजन एंबुलेंस से पार्थिव शरीर लेकर गांव के लिए रवाना हुए। शाम करीब साढ़े चार बजे शव गांव पहुंचते ही माहौल गमगीन हो गया।करीब 45 दिनों से बेटे के आने की आस लगाए बैठे पिता अतहर हुसैन, पत्नी अनवरी और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों का विलाप देखकर मौके पर मौजूद बड़ी संख्या में ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। शाम करीब सवा छह बजे धार्मिक रीति-रिवाज के साथ रिजवान को अंतिम विदाई दी गई।

बस के आगे कार रोककर चालक से मारपीट करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त कार बरामद

वेलकम इंडिया राजेंद्र सिंह

हापुड़। थाना बाबूगढ़ पुलिस ने अपराध एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बस के आगे कार रोककर बस चालक के साथ मारपीट करने के मामले में वांछित/नामजद चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त कार भी बरामद की है।पुलिस के अनुसार थाना बाबूगढ़ में दर्ज मु0अ0सं0 249/2026, धारा 115(2), 125, 126(2), 351(3) बीएनएस में वांछित/नामजद अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में बाबूगढ़ पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए बछलौता रोड से चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार अभियुक्त नाजिम पुत्र नुसरत अली, निवासी ग्राम अठसैनी, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़।अकदस पुत्र रिफाकत, निवासी ग्राम अठसैनी, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़। शाकिब पुत्र सतार, निवासी ग्राम अठसैनी, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़। शोएब पुत्र उस्मान, निवासी ग्राम अठसैनी, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़। घटना में प्रयुक्त कार बरामद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त वर्ना कार संख्या उछ 43 अ 4217 बरामद की है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संतान गौतम, उपनिरीक्षक वीरेश कुमार, हेड कांस्टेबल मोनू चौधरी तथा कांस्टेबल संदीप कुमार थाना बाबूगढ़ शामिल रहे। थाना प्रभारी बाबूगढ़ प्रवीण कुमार चौधरी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई को पुलिस की अपराधियों के विरुद्ध चल रही कार्रवाई का हिस्सा बताया गया है।

प्लॉट बेचने के नाम पर महिला से हड़पे 31.80 लाख रुपये

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। नगर कोतवाली क्षेत्र के बुर्ज मोहल्ला निवासी रजनी गुप्ता से प्लॉट बेचने के नाम पर 31.80 लाख रुपये हड़पने के आरोप में पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर एक महिला समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रजनी गुप्ता ने रिपोर्ट में बताया कि उन्हें आवासीय प्लॉट की आवश्यकता थी। इसकी जानकारी प्रॉपर्टी डीलर पवन गोयल और पंकज बंसल को थी। 23 फरवरी 2024 को पंकज बंसल ने उन्हें गांव असौड़ा के खसरा संख्या-661 में 611 वर्ग मीटर का आवासीय प्लॉट होने की जानकारी दी। इसके बाद वह अपने पुत्र सागर के साथ पवन गोयल के सूर्य विहार स्थित कार्यालय पहुंचीं। वहां शाहआलम, अनीस अहमद, राहत अली और जीशान मौजूद मिले। आरोप है कि शाहआलम ने बताया कि प्लॉट के मालिक उसके पिता शेर अली, अनीस अहमद, राहत अली, जीशान और उसकी मां वरीसा हैं। प्रॉपर्टी डीलरों की मौजूदगी में प्लॉट का सौदा 5,200 रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से तय हुआ। इसके बाद 29 अप्रैल 2024 को रजनी गुप्ता और उनके पति के बैंक खातों से आरटीजीएस सहित अन्य माध्यमों से तीन बार में 10.60 लाख रुपये आरोपियों के खातों में भेजे गए। रिपोर्ट के अनुसार 31 जुलाई 2024 को वह अपने पुत्र के साथ बैनामा कराने के लिए रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचीं, लेकिन आरोपी रिश्तेदारी में मौत होने का बहाना बनाकर वहां नहीं पहुंचे। बाद में प्लॉट का बैनामा करने की मांग करने पर आरोपियों द्वारा कथित रूप से जान से मारने की धमकी दी गई और मारपीट पर उतारू हो गए। मामले में न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जुआ खेलते तीन गिरफ्तार, 1120 रुपये किये गये बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पिलखुवा। रविवार को खेडा गेट के पास पिलर नंबर 20 के सामने खाली मैदान में जुआ खेल रहे तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। मौके से ताश के 52 पत्ते और कुल 1120 रुपये बरामद हुए। पुलिस के अनुसार टीम गश्त कर रही थी। सूचना मिली कि पेड़ के नीचे तीन लोग हार-जीत की बाजी लगा रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और तीनों को पकड़ लिया। जनपद हापुड़, थाना धौलाना, गांव देहरा निवासी जब्बार, आदिल और सुहैल से तलाशी में 510 रुपये मिले। मौके पर दांव पर लगी 610 रुपये की रकम और ताश के पत्ते भी बरामद हुए। तीनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। सीओ मुनीश चंद्र ने बताया कि जुआ खेलते तीन लोगों को गिरफ्तार कर नकदी और ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जिस युवा शक्ति ने अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर किया, वही देश को अन्याय, बेरोजगारी, नफरत और असमानता से मुक्त कर सकती है : मोहम्म्द अरशद खान

वेलकम इंडिया संवाददाता

जौनपुर। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मो. अरशद खान ने देश की युवा पीढ़ी के नाम संदेश जारी करते हुए कहा कि 9 अगस्त केवल इतिहास की एक तारीख नहीं, बल्कि भारत के स्वाभिमान, संघर्ष, त्याग, साहस और लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस युवा शक्ति ने अंग्रेजी हुकूमत को भारत छोड़ने पर मजबूर किया था, वही युवा शक्ति आज देश को अन्याय, बेरोजगारी, नफरत और असमानता से मुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ भारत छोड़ो आंदोलन अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ निर्णायक संघर्ष का प्रतीक बना। उस दौर में लाखों युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और आम नागरिकों ने अपने सुख-चैन और जीवन की परवाह किए बिना स्वतंत्रता संग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। यह आंदोलन हमें सिखाता है कि जब जनता अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर खड़ी होती है तो दुनिया की बड़ी से बड़ी सत्ता को भी जनता की आवाज के सामने झुकना पड़ता है।

मो. अरशद खान ने कहा कि आज की पीढ़ी के सामने संघर्ष का स्वरूप भले ही बदल गया है, लेकिन चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। आज देश को ऐसी व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें हर बच्चे को अच्छी और सस्ती शिक्षा मिले, हर युवा को सम्मानजनक रोजगार मिले, किसान को उसकी मेहनत का उचित मूल्य मिले, मजदूर को सम्मान मिले, महिलाओं को सुरक्षा और समान अवसर मिले तथा गरीब और कमजोर व्यक्ति को न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि आजादी केवल अंग्रेजी हुकूमत से मुक्ति का नाम नहीं है। सच्ची आजादी तब होगी, जब देश का कोई बच्चा गरीबी के कारण शिक्षा से वंचित न हो, कोई युवा बेरोजगारी के कारण निराश न हो, कोई किसान कर्ज और बदहाली से परेशान न हो और किसी नागरिक को अपने अधिकार एवं सम्मान के लिए संघर्ष न करना पड़े। युवाओं के नाम विशेष संदेश देते हुए मो. अरशद खान ने कहा कि 9 अगस्त की क्रांति को केवल किताबों में पढ़ने के बजाय उसके मूल संदेश को अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझना होगा। नफरत के बजाय भाईचारा, हिंसा के बजाय लोकतंत्र तथा अंधविश्वास के बजाय शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि जिस उम्र में भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और हजारों नौजवानों ने देश के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था, उसी युवा शक्ति को आज देश निर्माण में लगाना होगा। आज की युवा पीढ़ी के हाथ में मोबाइल और इंटरनेट ही नहीं, बल्कि देश का भविष्य भी है। इसलिए सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और नफरत की राजनीति से युवाओं को सावधान रहना होगा। उन्होंने युवाओं से इतिहास पढ़ने, संविधान को समझने और अपने अधिकारों के साथ लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों को निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज देश को एक ऐसी नई अगस्त क्रांति की आवश्यकता है, जो किसी व्यक्ति या समुदाय के खिलाफ नहीं, बल्कि गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, सामाजिक भेदभाव, भ्रष्टाचार, अन्याय और नफरत की राजनीति के खिलाफ हो।मो. अरशद खान ने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान के माध्यम से समानता और न्याय का रास्ता दिखाया, महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा की शक्ति से परिचित कराया, डॉ. राममनोहर लोहिया ने सामाजिक न्याय और गैर-बराबरी के खिलाफ संघर्ष किया तथा समाजवादी आंदोलन ने गरीब, किसान, मजदूर, पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों की आवाज को मजबूत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को इन महान नेताओं के संघर्षों से प्रेरणा लेकर संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आपसी भाईचारे की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि देश को नफरत और विभाजन की राह पर ले जाने वाली ताकतों के बजाय समाज को जोड़ने वाली शक्तियों को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि नफरत को हराना है और भाईचारा बढ़ाना है। बेरोजगारी को हराना है और रोजगार के अधिकार को मजबूत करना है। अशिक्षा को हराना है और शिक्षा को घर-घर पहुंचाना है। अन्याय को हराना है और संविधान एवं लोकतंत्र को मजबूत करना है। भारत को ऐसा देश बनाना है, जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान, न्याय और बराबरी का अधिकार मिले।

जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा छह के आवेदन की तिथि बढ़ी, 10 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बांसी/सिद्धार्थनगर। सत्र 2027-28 में कक्षा छह में प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जेएनवीएसटी)-2027 के ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी 10 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 7 अगस्त 2026 निर्धारित थी। पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए 11 से 12 अगस्त 2026 तक त्रुटि सुधार एवं संशोधन विंडो खुली रहेगी। इस दौरान अभ्यर्थी केवल परीक्षा के माध्यम, वर्ग, लिंग, क्षेत्र और दिव्यांगता से संबंधित विवरण में आवश्यक संशोधन कर सकेंगे। अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट navodaya.gov.in पर जाकर निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उक्त जानकारी एनके सिंह, प्राचार्य, पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय बसंतपुर, बांसी ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। उन्होंने अभ्यर्थियों से निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की अपील की है।

जन चौपाल में गूंजा ग्रामीणों का दर्द

संविधान के अधिकारों के प्रति किया जागरूक, सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और रोजगार समेत कई समस्याएं उठीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 128 बरखेड़ा के ग्राम भूड़ा विक्रमपुर में रविवार को भीम आर्मी भारत एकता मिशन, जनपद पीलीभीत की ओर से जन चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को खुलकर रखा और उनके समाधान की मांग उठाई।जन चौपाल में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय, जिला संगठन सचिव शेरा वाल्मीकि, तहसील अध्यक्ष बीसलपुर हरीश कुमार गंगवार तथा तहसील अध्यक्ष पीलीभीत महेंद्र पाल गौतम समेत संगठन के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जन चौपाल जनता और संगठन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने ग्रामीणों को संविधान में प्रदत्त अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय, समानता और सम्मान प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। शोषित, वंचित और कमजोर वर्गों की समस्याओं को मजबूती से उठाना संगठन की प्राथमिकता है।चौपाल में ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेंशन और राशन सहित कई बुनियादी समस्याएं पदाधिकारियों के सामने रखीं। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से कई समस्याओं के समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं, लेकिन संबंधित विभागों से अपेक्षित राहत नहीं मिल पा रही है। पदाधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के समक्ष मुद्दे उठाकर समाधान कराने का भरोसा दिलाया।

जिलाध्यक्ष सौरभ भारतीय ने कहा कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और अपने अधिकारों से वंचित रहेगा, तब तक भीम आर्मी भारत एकता मिशन उसकी आवाज बनकर संघर्ष करता रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल समस्याओं को गिनाना नहीं, बल्कि जनता के साथ मिलकर उनके समाधान के लिए संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से लगातार प्रयास करना है। अंत में ग्रामवासियों का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक न्याय, शिक्षा, भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक लोगों से संगठन से जुड़ने का आह्वान किया गया।

आला हजरत को मिले सरकारी स्तर पर सम्मान, नूर अहमद अजहरी ने उठाई बुलंद आवाज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। अजहरी एकेडमी के चेयरमैन हाफिज नूर अहमद अजहरी ने आला हजरत इमाम अहमद रजा खां की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान और पहचान दिलाने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि बरेली की पहचान आज देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में जिस अदब और एहतराम के साथ होती है, उसमें आला हजरत की महान धार्मिक, शैक्षिक और बौद्धिक शख्सियत का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार से आला हजरत की सेवाओं और विरासत के अनुरूप सरकारी स्तर पर सम्मान देने की मांग की।प्रेस बयान जारी करते हुए नूर अहमद अजहरी ने कहा कि हर वर्ष देश-विदेश से बड़ी संख्या में अकीदतमंद बरेली पहुंचते हैं। बरेली केवल एक शहर नहीं, बल्कि इल्म, अदब, तहजीब और धार्मिक चिंतन का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि आला हजरत का प्रभाव किसी एक वर्ग, परिवार या संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी शख्सियत भारतीय इतिहास और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के समक्ष कई मांगें रखते हुए कहा कि उर्स-ए-रजवी के अवसर पर बरेली जंक्शन का नाम 'बरेली शरीफ जंक्शन' तथा बरेली एयरपोर्ट का नाम 'आला हजरत एयरपोर्ट' किया जाना चाहिए। इसके साथ ही बरेली से प्रयागराज तक प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे का नाम 'आला हजरत एक्सप्रेस-वे' रखने की मांग भी उन्होंने की। नूर अहमद अजहरी ने तालीमी बेदारी पर जोर देते हुए कहा कि देश में आला हजरत के नाम से एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी पर एहसान नहीं, बल्कि एक महान धार्मिक और बौद्धिक विरासत को उसका उचित सम्मान देने का विषय है। उन्होंने कहा कि जो कौमें अपने मुहसिनों और महान विभूतियों को याद रखती हैं, वही अपनी आने वाली पीढ़ियों को इतिहास और विरासत से जोड़ पाती हैं। भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था सभी महान व्यक्तित्वों और राष्ट्रीय विरासतों के सम्मान की भावना पर आधारित है। ऐसे में सरकार को इन मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।नूर अहमद अजहरी ने कहा कि उनकी मांगें शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक इस मुद्दे पर आवाज उठती रहेगी और आवश्यकता पड़ने पर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मंचों के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

पूरनपुर में 455 ग्राम अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बुलेट व मोबाइल बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पूरनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने खुटार रोड स्थित मजार तिराहे के पास से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से कुल 455 ग्राम अवैध अफीम, 1900 रुपये नकद, एक बुलेट मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, रविवार को थाना पूरनपुर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खुटार रोड स्थित मजार तिराहे के पास दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से खड़े हैं और उनके पास अवैध मादक पदार्थ है। बताया गया कि दोनों आने-जाने वाले ट्रक चालकों व अन्य लोगों को अफीम बेचते हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया।पुलिस ने पकड़े गए युवकों की तलाशी ली तो उनके पास से कुल 455 ग्राम अफीम बरामद हुई। इसके अलावा 1900 रुपये नकद भी मिले। पुलिस के मुताबिक बरामद अफीम में 235 ग्राम जीशान खान तथा 220 ग्राम दिलशाद रजा के कब्जे से मिली। जीशान के पास से एक बुलेट मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन, जबकि दिलशाद के कब्जे से भी एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जीशान खान पुत्र नौशाद खान, उम्र 26 वर्ष और दिलशाद रजा पुत्र सलीम, उम्र 25 वर्ष, दोनों निवासी मोहल्ला खानकाह, थाना पूरनपुर, जनपद पीलीभीत के रूप में हुई है। पुलिस ने बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना पूरनपुर में मु0अ0सं0 348/2026, धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार पाण्डेय, हेड कांस्टेबल आशीष मिश्रा, कांस्टेबल शिवा तालियान, कांस्टेबल कुशलपाल और कांस्टेबल लवनीश कुमार शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

वन्यजीव संरक्षण में नरेश कुमार लोधी का बढ़ा सम्मान, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ने दिया विशिष्ट सेवा सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। वन्यजीव संरक्षण, मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम तथा सीमावर्ती और वन क्षेत्रों में ग्रामीणों की आजीविका को मजबूत करने के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए नरेश कुमार लोधी को विश्व प्रकृति निधि-भारत की ओर से विशिष्ट सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान वन्यजीव संरक्षण और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके लंबे समय से किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना के रूप में प्रदान किया गया है। नरेश कुमार लोधी वर्ष 2004 से विश्व प्रकृति निधि-भारत से जुड़े हुए हैं और लगातार वन्यजीव संरक्षण के लिए कार्य कर रहे हैं। नेपाल सीमा क्षेत्र तथा जंगलों से सटे गांवों में ग्रामीणों को विकास और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके प्रयासों से एक हजार से अधिक महिलाओं और पुरुषों को विभिन्न आजीविका गतिविधियों से जोड़ा गया, जिससे ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली। उन्होंने युवाओं और वन विभाग के कर्मचारियों के लिए अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में वन्यजीव संरक्षण, निगरानी व्यवस्था तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष की परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के उपायों की जानकारी दी गई। पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दक्षिण खीरी वन प्रभाग, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व और रानीपुर टाइगर रिजर्व सहित विभिन्न वन क्षेत्रों में एम-स्ट्राइप्स प्रणाली के सफल प्रयोग और प्रशिक्षण में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। इससे वन्यजीवों की निगरानी और संरक्षण कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिली मानव- वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए उनके प्रयासों से पीलीभीत टाइगर रिजर्व में 'बाघ मित्र' कार्यक्रम की शुरूआत हुई। इस पहल की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी सराहना की जा चुकी है। अब इस पहल को देश के विभिन्न वन प्रभागों और राज्यों में भी अपनाया जा रहा है।

नरेश कुमार लोधी को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। इससे पूर्व तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में राष्ट्रपति रोवर पुरस्कार प्रदान किया था। दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में विश्व प्रकृति निधि-भारत के अधिकारी मौजूद रहे। अपरिहार्य कारणों से नरेश कुमार लोधी दिल्ली नहीं पहुंच सके। इसके बाद पीलीभीत में मनीष सिंह ने उन्हें विशिष्ट सेवा सम्मान प्रदान किया। सम्मान मिलने पर विश्व प्रकृति निधि-भारत तथा वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ बागेश्वर पुलिस का अभियान जारी

अवैध शराब का परिवहन करते अभियुक्त गिरफ्तार, कार से मैक्डॉवल व्हिस्की की एक पेटी और 29 पेटी ट्यूबर्ग बीयर बरामद

गोविन्द मेहता/वेलकम इंडिया

बागेश्वर। उत्तराखण्ड पुलिस मुख्यालय के निर्देशों पर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन प्रहार' के तहत बागेश्वर पुलिस ने अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस अधीक्षक बागेश्वर जितेंद्र मेहरा ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने तथा महत्वपूर्ण बरामदगी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। एसपी के निर्देशों के बाद पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग और गश्त अभियान चलाकर नशे के अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसा जा रहा है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को वाहन में अवैध रूप से शराब का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त की पहचान अक्षय कुमार पुत्र कैलाश मोहन निवासी बिलौना के रूप में हुई है। उसके वाहन संख्या यूके-02ए-5446 (ऑल्टो) की तलाशी लेने पर एक पेटी मैक्डॉवल व्हिस्की और 29 पेटी ट्यूबर्ग बीयर बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक शराब को अवैध रूप से बिक्री के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। कार्रवाई के बाद कोतवाली पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ धारा 60(1)/72 आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत किया। शराब के परिवहन में प्रयुक्त वाहन को भी आबकारी अधिनियम के तहत सीज कर दिया गया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के फारवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज की जांच की जा रही है, ताकि अवैध शराब के स्रोत और इसके पीछे सक्रिय नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

कोतवाली प्रभारी अनिल उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में लगातार गश्त एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। कोतवाल के निर्देश पर एसएसआई निर्मला पटवाल सहित पुलिस टीमों को अलग-अलग स्थानों पर सघन चेकिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी दौरान पुलिस टीम को यह सफलता मिली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अवैध शराब और अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। वाहनों की नियमित जांच के साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र मेहरा ने कहा कि जनपद में अवैध नशे का कारोबार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को स्मैक, चरस और अन्य नशीले पदार्थों की गिरफ्त से बचाने के लिए पुलिस द्वारा प्रभावी रणनीति के तहत कार्रवाई की जा रही है। नशे के कारोबार में शामिल लोगों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने कहा कि पुलिस कार्रवाई के साथ-साथ नशामुक्ति और जनजागरूकता अभियान भी चलाए जाएंगे, ताकि युवाओं और आम लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने जिले के लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी अवैध नशे के कारोबार या तस्करी की जानकारी मिलती है तो तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दें। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के सहयोग से ही जनपद को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जा सकते हैं।

'हर घर तिरंगा' को लेकर व्यापारियों ने निकाली जागरूकता रैली

वेलकम इंडिया पीलीभीत

पूरनपुर/पीलीभीत। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' को जन-जन तक पहुंचाने और लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से रविवार को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की ओर से नगर में जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने विभिन्न बाजारों और प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर दुकानदारों को तिरंगे वितरित किए और अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया।

व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष हंसराज गुलाटी एवं ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अपूर्व सिंह के नेतृत्व में निकली रैली में बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल हुए। रैली के दौरान पदाधिकारियों ने व्यापारियों और नागरिकों से अपील की कि 10 से 17 अगस्त तक अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएं।व्यापारियों ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह करोड़ों देशवासियों की एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रदर्शित करता है। इसलिए तिरंगा फहराते समय उसकी गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। अभियान के तहत लोगों को यह भी जागरूक किया गया कि 17 अगस्त के बाद तिरंगे को उतारकर उसे सम्मानपूर्वक सुरक्षित स्थान पर रखा जाए। जागरूकता रैली के माध्यम से व्यापार मंडल ने बाजार क्षेत्र में राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। दुकानों पर तिरंगा पहुंचने से व्यापारी और नागरिक भी अभियान को लेकर उत्साहित नजर आए। पदाधिकारियों ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' केवल एक अभियान नहीं, बल्कि देश के प्रति सम्मान और गौरव व्यक्त करने का अवसर है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इसमें भागीदारी कर अभियान को सफल बनाने की अपील की। इस दौरान अशोक खंडेलवाल, जाहिद खान, विजय पाल सिंह विक्की, बलजीत खैरा, नवीन अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, उमर खान, संजय गुप्ता, अनिल अग्रवाल, सचिन गुप्ता, आयुष गुप्ता, राजा गुप्ता, श्याम गुप्ता, सर्वेश गुप्ता, कौशल जायसवाल, राजेंद्र गुलाटी, राहुल जायसवाल, गौरव पांडेय एडवोकेट और अहमद मियां सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

सावन में गूंजा भोले का जयकारा, सपा नेता सत्येंद्र मौर्य ने कांवड़ियों का फूल-मालाओं से किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। सावन माह के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। रविवार को 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र के ब्लॉक अमरिया में समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सत्येंद्र मौर्य ने विभिन्न गांवों से हरिद्वार के लिए रवाना हो रहे कांवड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों को यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।सत्येंद्र मौर्य ने कहा कि सावन का महीना आस्था, भक्ति और सामाजिक सौहार्द का पर्व है। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गांवों के मंदिरों में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कांवड़ियों से यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखने और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की। बताया गया कि 127 विधानसभा पीलीभीत क्षेत्र के ब्लॉक ललौरीखेड़ा से भी बड़ी संख्या में कांवड़िये हरिद्वार के लिए रवाना हुए हैं। श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर वापस अपने-अपने गांव पहुंचेंगे और स्थानीय मंदिरों में भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। स्वागत कार्यक्रम में गांव के सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही। प्रमुख रूप से महंत धर्मेंद्र जी, सोनू कुमार, वीरपाल सागर सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कांवड़ियों का फूल-मालाओं से स्वागत होते ही माहौल भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ के जयकारों के साथ अपनी यात्रा के लिए प्रस्थान किया। इस अवसर पर सत्येंद्र मौर्य के साथ समाजवादी पार्टी के नगर उपाध्यक्ष अशोक सैनी, देवकुमार मौर्य, पुनीत कुमार समेत पार्टी के अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कांवड़ियों के प्रति सम्मान और सहयोग की भावना देखने को मिली।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षक-कर्मचारी संगठनों ने गांधी पार्क में किया सामूहिक उपवास

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षक-कर्मचारी संगठनों ने रविवार को गांधी पार्क में सामूहिक उपवास रखा। इस दौरान एनपीएस, यूपीएस और टीईटी के विरोध में नारे लगाए गए। वक्ताओं ने कहा कि नई पेंशन व्यवस्था में कर्मचारियों के हित सुरक्षित नहीं हैं। पुरानी पेंशन बहाल होने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर आयोजित कार्यक्रम में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन (एनएमओपीएस) से जुड़े विभिन्न शिक्षक-कर्मचारी संगठनों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने एनपीएस, यूपीएस और टीईटी व्यवस्था समाप्त करने तथा पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की। अगस्त क्रांति की वर्षगांठ पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि भी दी गई।वक्ताओं ने भारत छोड़ो आंदोलन की तर्ज पर एनपीएस-यूपीएस भारत छोड़ो मुहिम चलाने की बात कही।इस अवसर पर एनएमओपीएस जिलाध्यक्ष प्रदीप गढ़िया, जिला मंत्री भारतेंदु पंत, चमोली प्रभारी डॉ. हरेंद्र सिंह रावल, प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रकाश टाकुली, प्रांतीय कोर कमेटी सदस्य लक्ष्मण कोरंगा, संरक्षक गोपाल सिंह मेहता, मंडलीय मंत्री कमलेश पांडे, जिला उपाध्यक्ष संजय टम्टा, नरेंद्र पालनी, संतोष जोशी, डीप भट्ट, पी एस नेगी, हिमांशु जोशी, दीपा जोशी, ममता जोशी, हरेंद्र नेगी, चंद्रशेखर कालाकोटी और डॉ. गोपाल कृष्ण जोशी आदि मौजूद रहे।

किशोरी को प्रेमजाल में फंसाकर गर्भवती करने का आरोप, युवक पर मुकदमा दर्ज

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। थाना हजारा क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग किशोरी को कथित रूप से प्रेमजाल में फंसाकर गर्भवती करने का मामला सामने आया है। किशोरी के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले में किशोरी के बयान, चिकित्सकीय परीक्षण और उपलब्ध अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को दी गई शिकायत में किशोरी के पिता ने बताया कि उनकी करीब 15 वर्षीय पुत्री को गांव भरतपुर अशोक नगर निवासी सिन्टू पुत्र शम्भूनाथ ने कथित तौर पर अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। पिता का आरोप है कि आरोपी ने नाबालिग किशोरी के साथ संबंध बनाए, जिसके बाद वह गर्भवती हो गई। परिवार को मामले की जानकारी होने पर घर में चिंता का माहौल बन गया। किशोरी के पिता ने घटना के संबंध में 7 अगस्त को थाना हजारा पहुंचकर पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहरीर के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की विवेचना शुरू कर दी है। जांच के दौरान किशोरी के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और नियमानुसार चिकित्सकीय परीक्षण कराया जा रहा है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की भी जांच कर रही है। साथ ही आरोपी की भूमिका और मामले से जुड़े अन्य पहलुओं के संबंध में साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून में गूंजा राष्ट्रभक्ति का जयघोष, निकाली 'हर घर तिरंगा' यात्रा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क से घंटाघर तक निकाली तिरंगा यात्रा, प्रदेशवासियों से घर-घर तिरंगा फहराने का किया आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। देश के प्रति सम्मान, समर्पण और गौरव की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से रविवार को देहरादून में भव्य 'हर घर तिरंगा' यात्रा का आयोजन किया गया। गांधी पार्क से घंटाघर तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हजारों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर भारत माता के जयकारे और देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घंटाघर स्थित उत्तराखण्ड राज्य आंदोलन के महान नायक स्व. इन्द्रमणी बडोनी एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद मुख्यमंत्री गांधी पार्क से घंटाघर तक निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं आम नागरिक मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रभक्ति की भावना को सदैव प्रज्वलित रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर जवानों को नमन करने का भी अवसर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' यात्रा राष्ट्र गौरव का उत्सव है। हमारा तिरंगा करोड़ों भारतवासियों के स्वाभिमान, एकता और राष्ट्रीय भावना का प्रतीक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर जवानों ने तिरंगे की आन, बान और शान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हम सभी को सदैव प्रतिबद्ध रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृतकाल का भारत आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत अब अपनी बात मजबूती से विश्व पटल पर रख रहा है और आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश अपनी नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि आज देश विकास के साथ-साथ अपनी संस्कृति, विरासत और राष्ट्रीय मूल्यों को भी मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'हर घर तिरंगा' अभियान देशवासियों में राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का माध्यम बन रहा है। उन्होंने युवाओं और आम नागरिकों से अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि घर-घर तिरंगा फहराकर हम स्वतंत्रता के लिए बलिदान देने वाले वीरों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त कर सकते हैं। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, खजान दास, सौरभ बहुगुणा, विधायक उमेश शर्मा काऊ, विनोद चमोली, सविता हरबंस कपूर, मेयर सौरभ थपलियाल, प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार, दीप्ति रावत भारद्वाज, तरुण बंसल, महानगर जिलाध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में गणमान्यजन, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

हाईवे पर अनियंत्रित हुई बाइक, दो कांवड़िये घायल

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेने जा रहे दो शिव भक्त चादरगे दिल्ली सहारनपुर हाईवे स्टेट गांव भारसी के समीप सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों ने बताया कि बाइक के सामने कुत्ता आ जाने से हादसा हुआ। घायलों को पुलिस और एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। विगत शनिवार की देर शाम दिल्ली के संगम विहार निवासी पवन पुत्र जगन्नाथ सिंह और दीपक पुत्र गरीबदास अपनी बाइक से हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे थे। जैसे ही वह थाना क्षेत्र के भारसी मोड़ स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, तभी अचानक बाइक के सामने कुत्ता आ गया। कुत्ते को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।हादसे में दोनों शिव भक्त सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर अवस्था में हायर सेंटर रेफर किया है।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड क्षत्रिय कल्याण समिति की वेबसाइट एवं क्षत्रिय जागरण स्मारिका का किया विमोचन

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को शासकीय आवास पर उत्तराखण्ड क्षत्रिय कल्याण समिति, देहरादून की वेबसाइट एवं क्षत्रिय जागरण स्मारिका का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड क्षत्रिय कल्याण समिति समाज को जागरूक करने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समाज के हित में किए जाने वाले सेवा कार्यों से जरूरतमंद परिवारों को सहारा मिलता है और सामाजिक एकजुटता भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने से प्रदेश को विकास की नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा किसी भी समाज और प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं।

युवाओं को अपनी ऊर्जा और प्रतिभा का उपयोग रचनात्मक कार्यों में करते हुए उत्तराखण्ड के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सामाजिक सरोकारों से जुड़कर कार्य करने से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बच्चों को बेहतर शैक्षिक अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें अपनी प्रतिभा के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण और समाज के विकास का आधार भी है। उन्होंने कहा कि बच्चों में संस्कार, अनुशासन, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारियों की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति और सामाजिक मूल्यों से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। उन्होंने समिति द्वारा समाज के जरूरतमंद लोगों के लिए किए जा रहे कार्यों को आगे भी जारी रखने की अपेक्षा की।

समिति की वेबसाइट के माध्यम से समाज से जुड़े लोगों को विभिन्न गतिविधियों, सामाजिक कार्यों और महत्वपूर्ण जानकारियों से जोड़ने में मदद मिलेगी, जबकि क्षत्रिय जागरण स्मारिका के माध्यम से समिति के सामाजिक कार्यों एवं उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाया जा सकेगा। इस अवसर पर विधायक सुरेश सिंह चौहान, दिगंबर सिंह नेगी, गोविंद बिष्ट, सोहन सिंह नेगी, आशा असवाल, धनपाल रावत, किशन भंडारी, प्रताप सिंह बिष्ट, चंदन सिंह भंडारी सहित समिति के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

आवारा कुत्ते ने पांच वर्षीय बालक पर किया हमला, नोचकर किया घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम में घर के बाहर खेल रहे पांच वर्षीय बालक पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने बालक की टांग पकड़कर उसे नोच लिया, जिससे वह घायल हो गया। बालक के चीखने की आवाज सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और डंडे लेकर आवारा कुत्ते को भगाया। इसके बाद घायल बालक को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई गई। शामली निवासी कुलदीप का पांच वर्षीय पुत्र रुद्र अपनी मां प्रतिभा के साथ एलम कस्बे में अपने नाना सुरेंद्र पवार के घर आया हुआ है। परिजनों के अनुसार रविवार सुबह रुद्र घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान एक आवारा कुत्ते ने अचानक उस पर हमला कर दिया और उसकी टांग पकड़कर नोच डाला। बालक के शोर मचाने पर परिजन दौड़कर मौके पर पहुंचे और कुत्ते को वहां से भगाया।परिजनों का आरोप है कि वे बालक को एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने के लिए एलम स्थित स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, लेकिन वहां वैक्सीन उपलब्ध नहीं होने के कारण उपचार नहीं मिल सका। इसके बाद परिजन बालक को कस्बे के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई।सरकारी चिकित्सक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि एलम पीएचसी पर एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। नगर के सरकारी अस्पताल में वैक्सीन का भंडारण उपलब्ध है।

रिंकी मिश्रा की मदद के लिए नि. विधायक धीरज ओझा ने डीएम से की मुलाकात

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। जनपद के भाजपा नेता एवं नि. विधायक धीरज ओझा ने जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय से मुलाकात कर अपने विधानसभा क्षेत्र रानीगंज के ग्राम हरनाहपुर निवासी श्रीमती रिंकी मिश्रा की दयनीय आर्थिक स्थिति एवं परिवार की समस्याओं से अवगत कराया। जिलाधिकारी महोदय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया तथा परिवार को आवश्यक सहायता एवं शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। इसके क्रम में श्रीमती रिंकी मिश्रा को आपदा राहत कोष से सहायता, मुख्यमंत्री आवास योजना, शौचालय, उज्ज्वला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत उनकी दो बेटियों को लाभ, स्वयं सहायता समूह से जोड़ने तथा पेंशन एवं आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाओं का लाभ दिलाने की कार्यवाही सुनिश्चित की गई है। धीरज ओझा ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इस परिवार को हरसंभव सहायता दिलाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेगा।

नाली के विवाद में महिला से मारपीट, गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर

कांधला। कस्बे के गंगेरू मार्ग पर नाली के विवाद को लेकर पड़ोसी ने एक महिला के साथ मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और मामले की सूचना पुलिस को दी। डायल-112 पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। कस्बे के गंगेरू मार्ग निवासी महिला खुशनुदा ने बताया कि उसका पड़ोस के ही एक व्यक्ति से नाली को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा था। आरोप है कि देर रात इसी विवाद को लेकर आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में वह घायल हो गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए।इसी दौरान किसी व्यक्ति ने डायल-112 पर सूचना दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया।

सतीश सहानी की माता जी के निधन पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने जताया शोक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने संतकबीरनगर जिले के कांग्रेस नेता सतीश कुमार सहानी की माता श्रीमती भोनादेवी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने शोकाकुल परिवार को पत्र भेजकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिजनों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर रविवार को जिला कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश सचिव दिलीप निषाद एवं जिलाध्यक्ष प्रवीण चंद पांडेय ने कांग्रेस नेता सतीश कुमार सहानी को प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री का शोक संवेदना पत्र सौंपा। उन्होंने भी शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पार्टी परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

पूर्व मंत्री ने चादर चढ़ा 176वा उर्स का किया आरम्भ

मौलवी साहब की जंग इतिहास के स्वर्णिम अक्षरों में लिखी गई: रुश्दी मियां

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के अंतर्गत रहीमगंज नई सराय मजरे हलीम नगर में प्रसिद्ध मौलवी अमीर अली शहीद रह्म अह्म का 176वा सालाना उर्स की शुरूआत सपा के पूर्व मंत्री पूर्व विधायक सैयद अब्बास अली जैदी उर्फ रुश्दी मियां ने एवं समीर खान सांभा ने संयुक्त रूप से दरगाह पर चादर चढ़ा कर किया। चादर चढ़ाने के बाद रुश्दी मियां ने देश में अमन चैन, शांति, भाईचारा एकता, सौहार्द बना रहे की दुआ भी मांगी, साथ ही उन्होंने कहा कि 1857 क्रांति में आरम्भ हुई तो सब से आगे मौलवी साहब थे यह क्रांति लखनऊ स्थित बेगम हजरत महल से शुरू हो मल्हौर तक पहुंची थी मौलवी साहब की जंग इतिहास के स्वर्णिम अक्षरो में लिखी गई है जिसको कोई भी मिटा नहीं सकता है। उनकी जंग उनके आस्ताने पर सम्पन्न हो गई। उर्स के आरंभ से पूर्व मेला प्रबंधक समीर खान सांभा द्वारा अपने सहयोगी के साथ मिल पूर्व मंत्री रुश्दी मियां का गुलाब के फूल की बुके व माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। मेले में अमेठी सीतापुर बहराइच लखीमपुर खीरी सुल्तानपुर बाराबंकी रायबरेली लखनऊ सहित दर्जनों जनपदों से श्रद्धालुगण जायरीन जियारत करने आते हैं। जहां प्रशाशन की बात की जाए तो चौकी प्रभारी शुजागंज अभिषेक सिंह, भेलसर चौकी प्रभारी युवराज सिंह, राजेन्द्र सिंह, रवि चौधरी सत्यम गुप्ता आदर्श यादव, अंबुज सिंह, इंद्रेश यादव सहित महिला उपनिरीक्षक गण लगातार भ्रमण शील रहे। इस अवसर पर शकील अहमद शहीम अहमद, अफजल अल्वाना इस अवसर पर डॉ श्रीपाल, फहीम खान, नबील बाबा, जैनुल रामपुर, इकबाल उस्मानी, दीपक कुमार, शाह मसूद हयात गजाली मियां, आमिर खान, दानिश हुसैन, नाजिश हुसैन, मंजर अशरफ, प्रदीप यादव छोटेलाल यादव सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे।

आमने-सामने भिड़ीं दो बाइक, दो महिला समेत तीन घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग स्थित आल्दी बस अड्डे के समीप दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में एक बाइक पर सवार दंपती समेत तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस की मदद से घायलों को उपचार के लिए नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद तीनों की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।हरियाणा के पानीपत के बबैल रोड निवासी सोनू रविवार को अपनी पत्नी नीलम और पुत्रवधू वंशिका के साथ बाइक पर सवार होकर बागपत के बड़ौत स्थित रिश्तेदारी में जा रहे थे।जैसे ही बाइक सवार थाना क्षेत्र के कैराना मार्ग पर आल्दी बस अड्डे के समीप पहुंची, तभी विपरीत दिशा से आ रही बाइक से उनकी बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार तीनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने सूचना 108 एंबुलेंस को दी। एंबुलेंस कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सोनू, नीलम और वंशिका को गंभीर हालत के चलते जिला अस्पताल रेफर कर दिया।हादसे के बाद दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। खबर लिखे जाने तक मामले में थाने पर कोई तहरीर नहीं दी गई थी। पुलिस तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की बात कह रही है।

घर में पंखे से लटका मिला वृद्ध व्यक्ति का शव, मची सनसनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। कस्बे के मोहल्ला मोलानान में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 57 वर्षीय व्यक्ति का शव घर के अंदर पंखे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। कस्बे के मोहल्ला मोलानान निवासी 57 वर्षीय ताहिर पुत्र इलियास का शव रविवार को घर के अंदर पंखे से लटका मिला। मोहल्ले के लोगों ने शव को लटका देखकर मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर जांच पड़ताल शुरू की।मृतक की पत्नी जैतून ने बताया कि वह उमरा हज के लिए गई हुई थीं और ताहिर घर पर अकेले रह रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया।सूचना पर फील्ड यूनिट की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस आत्महत्या के साथ ही अन्य पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले

‘बोल बम’, ‘हर-हर महादेव’ के घोष के साथ पुष्प पांखुरियों से महका घंटाघर

नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महापौर, विधायक, पूर्व सांसद, जिलाध्यक्ष व पार्षदों ने की शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम के मंच से आज शाम राजनेताओं, निगम के अधिकारियों, व्यापारियों, कांवड़ शिविर संचालकों एवं पार्षदों द्वारा हरिद्वार से पतित पावनी मां भगीरथी का जल लेकर अपने गंतव्यों को लौट रहे शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की गयी। इस बीच पूरा वातावरण ‘बोल बम’, ‘हर-हर महादेव’ के घोष से गूंजता रहा। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा व अनेक पार्षदों ने पुष्प वर्षा के बीच नृत्य भी किया। शहर के हृदय स्थल घंटाघर पर शिवभक्तों पर बरसती गुलाब और गेंदे की पांखुरियों से सुवासित होते हुए पूरा वातावरण ‘हर-हर महादेव’, ‘बोल बम’, के घोष से गूंज उठा। पूरा शहर शिवमय होने का आभास देता हुआ महसूस हुआ। महापौर डॉ. अजय कुमार, नगर विधायक राजीव गुंबर, भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा, मुजफ्फरनगर से पधारी स्थानीय निकाय सीट से एमएलसी वंदना वर्मा, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, पूर्व मंत्री संजय गर्ग, पूर्व महानगर अध्यक्ष राकेश जैन, हेमंत अरोड़ा, के एल अरोड़ा व अमित गगनेजा आदि ने शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा कर कांवड़ ले जा रहे शिवभक्तों का वंदन और अभिनंदन करते हुए सभी महानगर वासियों पर जटाधराय, अवंतिकानाथ भगवान शिव की अनुकंपा बने रहने की मंगल कामना की। महापौर ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पर्व हमारे सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की प्रेरणा से नगर निगम कांवड़ यात्रा को भव्य, दिव्य और आलौकिक बनाने के लिए अपनी सक्रिय भागेदारी कर रहा है। उन्होंने निगम अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कांवड़ शिविर संचालकों का इसके लिए आभार व्यक्त किया। नगर विधायक राजीव गुंबर ने कहा कि कांवड़ यात्रा सनातन परंपरा को आगे ले जाने का अवसर है। कांवड़ यात्रा उन मुख्य पर्वों में से एक है जो कदम-कदम पर हमारी संस्कृति को जीवंत बनाते रहे हैं। एमएलसी वंदना वर्मा व जिलाध्यक्ष अजीतसिंह राणा ने कहा कि कांवड़ यात्रा हमारी संस्कृति और सभ्यता की संवाहक है। पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने कहा कि मुख्य योगी आदित्यनाथ के शासनकाल में प्रदेश और समाज में एक बड़ा परिवर्तन आया है। जिस चौराहे पर हम क्रूर लोगों के खिलाफ धरना देते थे आज उसी चौराहे से शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की जा रही है। पूर्व मंत्री संजय गर्ग ने कांवड़ यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला और कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक व पॉलीथिन मुक्त रखने के लिए नगर निगम, महापौर व कांवड़ शिविर संचालकों की सराहना की। नगर निगम की ओर से पूर्व उपसभापति मुकेश गक्खड़ व पार्षद ज्याति अग्रवाल ने अतिथियों को पटके पहनाकर उनका स्वागत व अभिनंदन किया। कांवड़ यात्रा भविष्य में भी पलास्टिक व पॉलीथिन मुक्त रहे इसके लिए कांवड़ संघ ने कांवड़ शिविर संचालकों के लिए बनाया गया दो हजार बर्तनों का नया भंडार कांवड़ शिविर संचालकों को अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। दिनेश सेठी, राजकुमार मक्कड़ व संजय फुटेला ने कांवड़ संघ की ओर शिविर संचालकों का स्वागत किया। भगवान शिव, माता पार्वती व बुद्धि विनायक गणेश के स्वरुप में मेरिडेल एकेडमी पंजाबी बाग के बच्चे विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कार्यक्रम में अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व नोडल अधिकारी और अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, सहायक नगरायुक्त जे पी यादव, महाप्रबंध जल पुरुषोत्तम कुमार, विधायक प्रतिनिधि योगेश कुमार, विहिप के आर सी शर्मा, भाजपा के नगर महामंत्री किशोर शर्मा, मंडल अध्यक्ष विजय वर्मा व यशपाल त्रेहन, अजय वशिष्ठ, नीरज गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पार्षदगणों के अलावा शहर के गणमान्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वीरेन्द्र आजम ने किया।

स्व. अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति द्वार का विधायक सुरेश पासी ने किया भव्य उद्घाटन

जनसंवाद में उमड़ा जनसैलाब, समर्थकों ने लगाए ‘जन-जन की यही पुकार, सुरेश भैया तीसरी बार’ के नारे

वेलकम इंडिया संवाददाता

जगदीशपुर/अमेठी। विधानसभा क्षेत्र जगदीशपुर के ग्रामसभा मंगौली में पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में निर्मित स्मृति द्वार का क्षेत्रीय विधायक सुरेश पासी ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय एवं स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही।

स्मृति द्वार के उद्घाटन को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही समर्थकों और ग्रामीणों ने विधायक सुरेश पासी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान समर्थकों ने ‘जन-जन की यही पुकार, सुरेश भैया तीसरी बार’ के जोरदार नारे लगाए। नारों से पूरा कार्यक्रम स्थल गूंज उठा और माहौल उत्साहपूर्ण हो गया। उद्घाटन समारोह के बाद ग्रामसभा मंगौली स्थित ग्राम सचिवालय कार्यालय में विधायक सुरेश पासी ने ग्रामीणों के साथ जनसंवाद किया। जनसंवाद के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पानी, नाली सहित क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं और विकास से जुड़े मुद्दों को विधायक के समक्ष रखा। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ग्रामसभा के लोगों ने विधायक सुरेश पासी का माला पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। विधायक ने उपस्थित ग्रामीणों, ग्राम प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र का विकास और जनता की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने विकास कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में ग्राम प्रधानगण, जनप्रतिनिधि, स्थानीय नागरिक, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे। समारोह के दौरान ग्रामीणों और समर्थकों में विधायक के प्रति उत्साह और समर्थन देखने को मिला।

हाईवे पर अलग-अलग हादसों में छह कांवड़िये हुए घायल

नानौता। दिल्ली-यमुनोत्री हाईवे पर गंगनहर के निकट रविवार सुबह हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में छह कांवड़िये घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से एक की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पहला हादसा रविवार सुबह करीब चार बजे हुआ। हरियाणा के समालखा क्षेत्र के गांव बबैल निवासी हिमांशु, सागर और आशीष स्प्लेंडर बाइक से हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे थे। गंगनहर के निकट उनकी बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे तीनों घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया, जहां से सागर की गंभीर हालत के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। कुछ देर बाद ईस्ट दिल्ली निवासी पीयूष, ऋषभ और आयुष भी बुलेट बाइक से हरिद्वार जा रहे थे। गंगनहर के पास उनकी बाइक का पिछला टायर अचानक फट गया। इससे बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई और तीनों कांवड़िये घायल हो गए।

हिंदू युवा वाहिनी ने धूमधाम से मनाया कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव का जन्मदिन

संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक सौरभ श्रीवास्तव का जन्मदिन हिंदू युवा वाहिनी जिला वाराणसी की टीम ने हर्षोल्लास के साथ मनाया। जिलाध्यक्ष समर बहादुर सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विधायक के आवास पर पहुंचे और उन्हें जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान केक काटकर जन्मदिन मनाया गया।

विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि कार्यकताओं द्वारा व्यक्त किया गया स्नेह और शुभकामनाएं उनके लिए विशेष महत्व रखती हैं। उन्होंने कार्यकताओं को अपने हाथों से केक खिलाकर उनका उत्साह बढ़ाया। जिलाध्यक्ष समर बहादुर सिंह ने विधायक के स्वस्थ एवं दीघार्यु जीवन की कामना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की जनता के बीच सक्रिय रहना और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देना सराहनीय है। उन्होंने विश्वास जताया कि विधायक के नेतृत्व में कैंट विधानसभा क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। इस अवसर पर डॉ. सौरभ मौर्य, रोशन जायसवाल, वैभव व्यास, शकुंतला प्रजापति, संध्या विश्वकर्मा, आशा सेठ, ईशा प्रजापति, रिंकू प्रजापति, नंदिनी त्रिपाठी सहित हिंदू युवा वाहिनी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गागलहेड़ी थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने शिवभक्त कांवड़ियों को फल वितरित कर किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

गागलहेड़ी। कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त कांवड़ियों की सुरक्षा और सेवा में जुटी गागलहेड़ी पुलिस ने मानवता और सेवा भाव की मिसाल पेश की। कस्बा गागलहेड़ी से कांवड़ लेकर गुजर रहे शिवभक्तों का थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फल वितरित कर स्वागत किया। पुलिस की इस पहल से कांवड़ियों में खुशी का माहौल देखने को मिला। थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ कांवड़ मार्ग पर पहुंचकर शिवभक्त कांवड़ियों को फल वितरित किए और उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने श्रद्धालुओं से कांवड़ यात्रा के दौरान सावधानी एवं अनुशासन बनाए रखने तथा सुरक्षित तरीके से अपनी यात्रा पूरी करने की अपील की। पुलिसकर्मियों ने भी कांवड़ियों की हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। फल वितरण के दौरान पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं के साथ आत्मीयता से बातचीत की। पुलिस की ओर से किए गए इस सेवा कार्य की कांवड़ियों ने सराहना की। शिवभक्तों ने कहा कि कांवड़ मार्ग पर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ-साथ जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा कर रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने पुलिस टीम का आभार जताया और उनके सेवा भाव की प्रशंसा की। गागलहेड़ी पुलिस की ओर से कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए लगातार सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। पुलिसकर्मी कांवड़ मार्गों पर गश्त के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा का भी विशेष ध्यान रख रहे हैं। इस दौरान थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, वरिष्ठ उपनिरीक्षक अतुल चौधरी, कस्बा चौकी प्रभारी सौरभ यादव, उपनिरीक्षक अभिनव कुमार, उपनिरीक्षक अशोक कुमार, उपनिरीक्षक सुंदर राणा, हेड कांस्टेबल निशांत चौधरी सहित पुलिस स्टाफ मौजूद रहा।

निवेश के नाम पर 12.50 लाख की ठगी, सात पर प्राथमिकी दर्ज

सरसावा। निवेश के नाम पर 12 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। एक साल में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर यह ठगी की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई है।

गांव माजरी कला निवासी मंगेश ने पुलिस को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि अनिल कुमार, अखलद, तबरेज, सायरा, हुसैन, नीरज और लविश चौधरी उर्फ नवाब अली ने उन्हें निवेश का लालच दिया। इन आरोपियों ने एक वर्ष में रकम दोगुनी करने का भरोसा दिलाया था। मंगेश से कुल 12 लाख 50 हजार रुपये तीन किस्तों में लिए गए। छह मई 2024 को चार लाख रुपये लिए गए। 13 जून 2024 को भी चार लाख रुपये लिए गए। अंतिम किस्त 13 सितंबर 2024 को चार लाख 50 हजार रुपये की थी।

कांवड़ यात्रा में सुरक्षा के साथ सेवा और संवेदना की मिसाल बने थानाध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना

दिव्यांग कांवड़िये की व्हीलचेयर खुद धकेलकर बेलड़ा पुलिस चेकपोस्ट कांवड़ शिविर तक पहुंचाया, श्रद्धालु ने सहारनपुर पुलिस का जताया आभार

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ पुलिसकर्मियों का मानवीय और सेवा भाव भी श्रद्धालुओं का दिल जीत रहा है। थाना बड़गांव पुलिस की ऐसी ही संवेदनशीलता की तस्वीर सामने आई है, जहां थानाध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना ने राह में मिले एक दिव्यांग कांवड़िये की मदद के लिए आगे बढ़कर उसकी व्हीलचेयर खुद धकेली और उसे सुरक्षित बेलड़ा पुलिस चेकपोस्ट स्थित कांवड़ शिविर तक पहुंचाया। थानाध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना ने ड्यूटी के साथ मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए दिव्यांग श्रद्धालु को रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा। वह स्वयं व्हीलचेयर को धकेलते हुए श्रद्धालु को शिविर तक लेकर पहुंचे। पुलिस अधिकारी के इस सेवा भाव को देखकर आसपास मौजूद लोग भी उनकी सराहना करते नजर आए। बेलड़ा पुलिस चेकपोस्ट स्थित कांवड़ शिविर पहुंचने के बाद थानाध्यक्ष ने दिव्यांग कांवड़िये का आदरपूर्वक स्वागत किया। उन्होंने श्रद्धालु को फल, पेयजल एवं प्रसाद ग्रहण कराया और उसकी सुविधा का ध्यान रखा। पुलिस की ओर से मिले इस आत्मीय व्यवहार से दिव्यांग कांवड़िया भावुक और गदगद नजर आया। दिव्यांग श्रद्धालु ने थानाध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना के इस मानवीय कार्य की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी की वर्दी के पीछे सेवा और इंसानियत का यह चेहरा बेहद प्रेरणादायक है। श्रद्धालु ने थानाध्यक्ष सहित पूरी सहारनपुर पुलिस की जमकर प्रशंसा की और सहयोग के लिए हृदय से धन्यवाद दिया। कांवड़ यात्रा के दौरान पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था संभालने के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सहायता के लिए किए जा रहे ऐसे कार्य पुलिस की सकारात्मक और संवेदनशील छवि को सामने ला रहे हैं। थानाध्यक्ष नरेंद्र भड़ाना की इस पहल को पुलिस की ड्यूटी के साथ मानवीय जिम्मेदारी निभाने की मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

बॉडीक्राफ्ट ने वाराणसी में बढ़ाया अपना विस्तार, 34वें क्लिनिक और सैलून की हुई नई शुरूआत

एक ही छत के नीचे ब्यूटी, स्किन, हेयर और वेट मैनेजमेंट की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक एंड सैलून ने वाराणसी में अपने नए एकीकृत क्लिनिक और सैलून की शुरूआत की है। इसके साथ ही उत्तर भारत में ब्रांड की मौजूदगी और मजबूत हुई है। करीब 6,500 वर्ग फुट क्षेत्रफल में दो मंजिलों पर तैयार किए गए इस केंद्र में सैलून, त्वचा, बाल, वजन कम करने और सौंदर्य से जुड़े उपचारों की पूरी रेंज एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। यहां विज्ञान आधारित उपचार और आधुनिक सौंदर्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे भारत के तेजी से विकसित हो रहे शहरों में शामिल वाराणसी के लोगों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। वाराणसी में बॉडीक्राफ्ट का विस्तार उत्तर भारत में कंपनी की विस्तार योजना का एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। लखनऊ और कानपुर में अपनी मौजूदगी के बाद वाराणसी में शुरूआत उत्तर प्रदेश के प्रमुख और तेजी से बढ़ते शहरों पर कंपनी के फोकस को और मजबूत करती है। यह उन टियर-2 शहरों में विस्तार करने की कंपनी की योजना का हिस्सा है, जहां प्रीमियम ब्यूटी, वेलनेस और सौंदर्य उपचारों की मांग लगातार बढ़ रही है। लोगों की पसंद अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। टियर-2 शहरों में भी आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञों की सलाह और व्यक्तिगत जरूरत के अनुरूप बेहतर परिणाम देने वाले उपचारों की मांग तेजी से बढ़ रही है। कंपनी के अनुसार लोगों की बढ़ती आय, दुनियाभर के ब्यूटी ट्रेंड्स के बारे में बढ़ती जानकारी और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण वाराणसी बॉडीक्राफ्ट के एकीकृत मॉडल के लिए एक मजबूत बाजार बनकर सामने आया है। इसी को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने यहां अपने बड़े केंद्रों में से एक की शुरूआत की है। बॉडीक्राफ्ट की आधुनिक शैली में तैयार किए गए इस केंद्र के डिजाइन में वाराणसी की सांस्कृतिक विरासत की हल्की झलक भी देखने को मिलती है। केंद्र में निजी सलाह और उपचार के लिए अलग कमरे, आधुनिक सैलून स्टेशन और एफडीए से मंजूर तकनीकें उपलब्ध हैं। इनमें कूलस्कल्पटिंग, हाइड्राफेशियल और लेजर हेयर रिडक्शन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इस शुरूआत के साथ बॉडीक्राफ्ट वाराणसी में अपने क्लिनिकल वजन प्रबंधन और स्लिमिंग उपचारों को भी बड़े स्तर पर बढ़ा रहा है। कंपनी इस क्षेत्र को वाराणसी और आसपास के इलाकों में सबसे बड़े अवसर वाले क्षेत्रों में से एक मानती है। केवल शरीर के बाहरी बदलाव पर ध्यान देने के बजाय केंद्र के स्लिमिंग कार्यक्रम ‘अंदर से स्वास्थ्य’ की सोच पर आधारित हैं। इनमें शरीर में मौजूद मांसपेशियों और वसा की जांच, शरीर की अतिरिक्त वसा को कम करने के लिए विशेष उपचार और मांसपेशियों को मजबूत बनाने से जुड़े कार्यक्रम शामिल हैं। इनका उद्देश्य लोगों को लंबे समय तक स्वस्थ तरीके से वजन कम करने, मांसपेशियों को मजबूत बनाने और शरीर के मेटाबॉलिज्म यानी भोजन को ऊर्जा में बदलने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद करना है।

केंद्र में बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक की मेडिकल डायरेक्टर और संस्थापक डॉ. मिक्की सिंह द्वारा तैयार किया गया सिग्नेचर स्किन ल्यूमिनाइजर भी उपलब्ध होगा। इसके साथ त्वचा को निखारने, बढ़ती उम्र के असर को कम करने, वजन प्रबंधन और शरीर की प्राकृतिक मरम्मत से जुड़े आधुनिक उपचार भी यहां उपलब्ध होंगे। इससे यह केंद्र इस क्षेत्र में बॉडीक्राफ्ट के सबसे व्यापक केंद्रों में से एक बन गया है। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि पूजा दीक्षित की मौजूदगी रही। उनकी उपस्थिति ने वाराणसी में बॉडीक्राफ्ट की शुरूआत को और खास बनाया। कंपनी के अनुसार उत्तर प्रदेश में ब्रांड के बढ़ते विस्तार में वाराणसी केंद्र एक महत्वपूर्ण कदम है। शुभारंभ पर टिप्पणी करते हुए बॉडीक्राफ्ट क्लिनिक की मेडिकल डायरेक्टर और संस्थापक डॉ. मिक्की सिंह ने कहा कि वाराणसी काफी समय से सौंदर्य उपचार के क्षेत्र में विज्ञान पर आधारित और बेहतर परिणाम देने वाले तरीकों की जरूरत महसूस कर रहा था। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि बॉडीक्राफ्ट आधुनिक और क्लिनिकल सेवाओं को वाराणसी तक लेकर आया है।

कांवड़ केवल जल लाने का माध्यम नहीं, बल्कि श्रद्धा, तप, संयम और शिव के प्रति समर्पण का प्रतीक है: डॉ. सोनिका जैन

कांवड़ यात्रा: क्यों शिवभक्त कंधों पर लाते हैं गंगाजल, क्या है इसका धार्मिक महत्व

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। ज्योतिष ज्ञानपीठ की चेयरपर्सन डॉक्टर सोनिका जैन ने कहा कि श्रावण मास आते ही सड़कों पर भगवा वस्त्र धारण किए, कंधों पर सजी हुई कांवड़ उठाए और 'हर-हर महादेव' व 'बोल बम' का जयघोष करते शिवभक्त दिखाई देने लगते हैं। हजारों श्रद्धालु कई किलोमीटर की पैदल यात्रा कर पवित्र नदियों से जल लाते हैं और भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि शिवभक्त कांवड़ में जल क्यों लाते हैं, कांवड़ का वास्तविक स्वरूप कैसा होता है और कांवड़िए जल कहां से भरते हैं।

क्यों लाया जाता है कांवड़ में जल- सनातन परंपरा में भगवान शिव के जलाभिषेक का विशेष महत्व माना गया है। श्रावण मास शिव आराधना के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसी कारण श्रद्धालु स्वयं पवित्र जल लेकर शिवालय पहुंचते हैं और शिवलिंग पर अर्पित करते हैं। कांवड़ लेकर पैदल चलना केवल धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि तप, संयम और संकल्प की साधना भी है। भक्त कठिन रास्ते और मौसम की परवाह किए बिना शिव का स्मरण करते हुए आगे बढ़ते हैं। इस यात्रा में भक्त द्वारा उठाया गया प्रत्येक कदम उसके आराध्य के प्रति श्रद्धा और समर्पण का प्रतीक बन जाता है। समुद्र मंथन से भी जुड़ी है मान्यता पौराणिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले हलाहल विष को भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए ग्रहण किया था। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला पड़ गया और वे 'नीलकंठ' कहलाए। भगवान शिव पर जल अर्पित करने की परंपरा को लोकमान्यताओं में इस प्रसंग से भी जोड़ा जाता है। कांवड़ यात्रा की उत्पत्ति को लेकर रावण और भगवान परशुराम से संबंधित कथाएं भी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित हैं। इन कथाओं में भिन्नता हो सकती है, लेकिन सभी का मूल भाव भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और जलाभिषेक है। कैसी होनी चाहिए कांवड़-कांवड़ का मूल स्वरूप बहुत सरल है। परंपरागत रूप से बांस अथवा हल्की लकड़ी के दंड के दोनों सिरों पर लगभग समान भार वाले जलपात्र बांधे जाते हैं। इसे कंधे पर रखकर इस प्रकार चला जाता है कि दोनों तरफ संतुलन बना रहे। आज कांवड़ को भगवा वस्त्र, फूल, त्रिशूल, डमरू तथा भगवान शिव के प्रतीकों से सजाने का प्रचलन है। हालांकि प्रचलित प्राचीन धार्मिक ग्रंथों में आधुनिक सजावटी कांवड़ के आकार, ऊंचाई या डिजाइन का कोई एक सर्वमान्य अनिवार्य स्वरूप निर्धारित नहीं मिलता। धार्मिक दृष्टि से कांवड़ की भव्यता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण भक्त की श्रद्धा, शुद्धता और सात्विक भाव है। कांवड़ को सीधे भूमि पर न रखने की परंपरा भी प्रचलित है। विश्राम के समय इसे स्टैंड या किसी ऊंचे स्थान पर रखा जाता है, जिससे पवित्र जल की मयार्दा बनी रहे। कहां से जल लाते हैं कांवड़िए-उत्तर भारत में कांवड़ यात्रा मुख्य रूप से गंगाजल से जुड़ी है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु हरिद्वार जाकर हर की पौड़ी एवं आसपास के गंगा घाटों से पवित्र गंगाजल भरते हैं। इसके अतिरिक्त गंगोत्री और गौमुख से भी श्रद्धालु जल लेकर आते हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए गढ़मुक्तेश्वर-बृजघाट भी गंगाजल लेने का प्रमुख केंद्र है। यहां से बड़ी संख्या में कांवड़िए गंगाजल लेकर अपने नगरों और गांवों के शिवालयों तक पैदल पहुंचते हैं। देश के अन्य क्षेत्रों में श्रद्धालु अपनी स्थानीय पवित्र नदियों और तीर्थस्थलों से जल लेकर शिव को अर्पित करते हैं।

कांवड़ का वास्तविक संदेश

कांवड़ की सुंदरता उसकी ऊंचाई या सजावट में नहीं, बल्कि उसे उठाने वाले भक्त की भावना में है। जब कोई श्रद्धालु कई किलोमीटर पैदल चलकर पवित्र जल भगवान शिव को अर्पित करता है, तो वह जल उसके तप, त्याग, आस्था और समर्पण का प्रतीक बन जाता है। शिव स्वयं कल्याण के प्रतीक हैं। इसलिए कांवड़ यात्रा में स्वच्छता, अनुशासन, सात्विकता, सेवा और दूसरे यात्रियों व आम नागरिकों की सुविधा का ध्यान रखना भी शिवभक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।' कंधे पर कांवड़, मुख पर शिव का नाम और मन में श्रद्धा—यही कांवड़ यात्रा का वास्तविक स्वरूप है।'

सरदार पटेल विचार समिति की नई कार्यकारिणी निर्विरोध घोषित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर। मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सरदार पटेल विचार समिति की नई कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण घोषणा की गई है। समिति की ओर से जारी निर्वाचन घोषणा पत्र के अनुसार, समिति के पदाधिकारियों के चुनाव की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

सरदार पटेल विचार समिति, की ओर से निर्वाचन संबंधी पत्र जारी किया गया था। क्रम में कुल 12 नाम निर्देशन पत्र प्राप्त हुए थे। समिति के बायलॉज यानी नियमावली के अनुसार कुल 12 पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया पूरी की गई।

इसके बाद आज समिति की ओर से इन पदाधिकारियों के निर्वाचन की आधिकारिक घोषणा की गई। खास बात यह रही कि सभी पदों पर नामांकन प्राप्त होने के बाद किसी भी पद के लिए मुकाबला नहीं हुआ और सभी उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

घोषित कार्यकारिणी में विकल सिंह, को अध्यक्ष चुना गया है। वहीं तेजपाल सिंह, और राज कुमार, को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही राहुल चन्देला, को सचिव तथा ब्रजपाल सिंह, को कोषाध्यक्ष चुना गया है। इसके अलावा समिति की कार्यकारिणी में कृष्णवीर अधाना, मोहराम, अक्षय कुमार, सुबे सिंह, रविश कुमार, कमल सिंह, और जगदीश, को सदस्य के रूप में निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया है।

स्वामी आरोग्य देव ने कांवड़ियों की सेवा में लगे आयोजकों की सराहना की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। पतंजलि वैलनेस सेंटर सीकरी कलां के प्रभारी स्वामी आरोग्य देव ने कांवड़ सेवा शिविर एवं भंडारे में पहुंचकर आयोजिकों द्वारा श्रद्धा भाव से कांवड़ियों जो सेवा की जा रही है उसकी प्रशंसा की और कहा कि कांवड सेवा शिविर में आयोजिकों द्वारा कांवड़ियों की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर हेरिटेज अकादमी के सामने समाजसेवी दीपक चौधरी बडायला द्वारा लगाए गए कांवड सेवा शिविर एवं भंडारे में शिव भक्त कांवड़ियों की सेवा की जा रही है। पतंजलि वैलनेस सेंटर सीकरी कला के प्रभारी स्वामी आरोग्य देव जी ने भी शिविर में जाकर का कांवडियो की सेवा मे लगे आयोजको की सराहना की। आयोजक दीपक चौधरी ने कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा से वे शिव भक्त कांवड़ियों की सेवा में लगे हैं। उन्होंने ही सेवा भाव की भावना उनके मन में उत्पन्न की और वह तभी से सावन मास में कांवड़ियों की सेवा करते चले आ रहे हैं। इस मौके पर योग शिक्षक करतार सिंह भाटी, रूपेश पूनिया, संजय भदोला, सुमन चौधरी, कर्मवीर काजमपुर, परविंदर मालिक, नरेश चौधरी, यशपात बडायला, सुंदरपाल, शशि भूषण, दीपक बेगमाबाद, अरुण बेगमाबाद, रजनीश, विपिन काजमपुर, नितिन, ललित, रवीश, शिवकुमार, विराट खंजरपुर ,निशांत चौधरी आदि श्रद्धालु जन उपस्थित रहे।

एडवोकेट विपिन सिंघल को उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन का कोजोनल चेयरमैन गाजियाबाद फर्स्ट मनोनीत किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन की 68 वीं कार्यकारिणी बैठक का आयोजन अमरोहा में ज़िला टैक्स बार एसोसिएशन अमरोहा द्वारा किया गया। जिसमे उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष आर पी यादव एवं प्रांतीय महामंत्री राकेश शरण मिश्र द्वारा एडवोकेट विपिन सिंघल मोदीनगर को -जोनल चेयरमैन जोनल गाजियाबाद जोन -फर्स्ट मनोनीत किया एवं मनोनयन प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सभी पदाधिकारियों एवं सभी मित्रों, शुभचिंतकों का हृदय की गहराई से आभार एवं धन्यवाद। बधाई देने वालों में एडवोकेट अरुण राघव एडवोकेट आरिफ बेग एडवोकेट धीरज गोयल चार्टर्ड अकाउंटेंट सुनील सिंघल आदि अधिवक्ता रहे।

समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष परविंदर चौधरी ने लगाया कांवड़ सेवा शिविर

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा और सुविधा के लिए समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष परविंदर चौधरी की ओर से कांवड़ सेवा शिविर लगाया गया। शिविर में हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे कांवड़ियों के लिए विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। सेवा शिविर में पहुंचने वाले कांवड़ियों के विश्राम, भोजन, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। शिविर संचालकों और कार्यकताओं की ओर से कांवड़ियों की सेवा में लगातार जुटे रहने की बात कही गई। परविंदर चौधरी ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का पर्व है। शिवभक्तों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। इसी भावना के साथ सेवा शिविर लगाया गया है, ताकि लंबी पैदल यात्रा कर रहे कांवड़ियों को रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो। शिविर में दिनभर कांवड़ियों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। कार्यकताओं ने शिवभक्तों का स्वागत करते हुए उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखा। सेवा शिविर के आयोजन से क्षेत्र में सामाजिक सहयोग और धार्मिक सद्भाव का संदेश भी देखने को मिला।

कावड़ सेवा शिविर एवं भंडारे में पहुंचे संतों का किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। कस्बा निवाड़ी गंग नहर पटरी मार्ग पर कावड़ सेवा शिविर एवं भंडारे में पहुंचे महामंडलेश्वर डॉक्टर उदिता त्यागी, महामंडलेश्वर यति नरसिंह आनंद सरस्वती का पुष्प द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर सभी ने शिव भक्तों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

स्वागत करने वालों में निवाड़ी नगर पंचायत के अध्यक्ष अनिल त्यागी भाजपा किसान मोर्चा के मंत्री संजय त्यागी सहित श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब मोदीनगर द्वारा भोले भक्तों की सेवा की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। भगवानगंज मंडी, मोदीनगर में रोटरी क्लब मोदीनगर के सभी सदस्यों द्वारा कांवड़ यात्रियों एवं भोले भक्तों की सेवा की। इस अवसर पर सभी रोटेरियन भाइयों ने पूरे मन, श्रद्धा और समर्पण भाव से शिव भक्तों के लिए गर्मा-गर्म दूध एवं स्वादिष्ट आइसक्रीम का वितरण किया।

इस सेवा पर अध्यक्ष मुकेश गोयल ने कहा भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना हमारे लिए केवल एक सेवा कार्य नहीं, बल्कि ईश्वर की आराधना और मानव सेवा का एक पवित्र माध्यम है। दूर-दूर से कांवड़ लेकर आने वाले शिव भक्तों के थके हुए चेहरों पर जब सेवा पाकर मुस्कान दिखाई दी, तो सभी रोटेरियन्स का मन आनंद और संतोष से भर गया।

इस सेवा कार्य में रोटरी क्लब मोदीनगर के सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह, प्रेम और सेवाभाव के साथ बढ़-चढ़कर सहभागिता की। भक्तों को अपने हाथों से दूध एवं आइसक्रीम वितरित करते हुए सभी ने उनकी कुशल यात्रा एवं सुखद कांवड़ यात्रा की मंगलकामना की।

भोले भक्तों से प्राप्त स्नेह, आशीर्वाद और ह्लहर हर महादेवह्व के जयघोष ने इस सेवा को और भी यादगार बना दिया। अध्यक्ष मुकेश गोयल जी ने कहा हमारा विश्वास है कि नर सेवा ही नारायण सेवा है व सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।

जहाँ सेवा है, वहीं सच्ची भक्ति है। भोले के भक्तों की सेवा ही शिव सेवा के समान है और रोटरी क्लब मोदीनगर भविष्य में भी इसी प्रकार के सेवा के कार्य निरंतर करता रहेगा ।वह समाज में सभी के लिए अग्रणी रूप में खड़ा रहेगा। इस कार्यक्रम के दौरान रोटेरियन सलभ सिंगल , सचिन गुप्ता अनिल, अनिल सेन ,आलोक गुप्ता, प्रमोद तंवर , अनिल बंसल राखी गोयल, शैली सिंगल, अर्जुन गोयल, मनन गोयल ,ध्रुव गोयल, अनंत सिंघल व अन्य गण मान्य व्यक्ति अरविंद अग्रवाल, दीपक बंसल, प्रदीप , वीरेंद्र गुप्ता , व अन्य सभी लोगों ने बड़े उत्साह से इस कार्यक्रम में अपना योगदान दिया।

कांवड़ियों की राह होगी सुगम-सुरक्षित, राजकरन नैय्यर ने लिया सुरक्षा इंतजामों का जायजा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित और व्यवस्थित संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था/यातायात राजकरन नैय्यर ने एएलटी, गंगनहर से कादराबाद मेरठ बॉर्डर तक कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, बैरिकेडिंग, श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही और ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की सतर्कता को परखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर अव्यवस्था न होने पाए। श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम वातावरण उपलब्ध कराने के साथ यातायात व्यवस्था को भी प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया गया। साथ ही सभी विभागों और पुलिसकर्मियों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कोतवाली नगर स्थित श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रद्धालुओं की कतारबद्ध आवाजाही, सुरक्षा प्रबंध और मंदिर परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

हरेंद्र अग्रवाल को मेरठ कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर कांग्रेसियों ने दी शुभकामनाएं, आगामी कार्यक्रमों पर मंथन

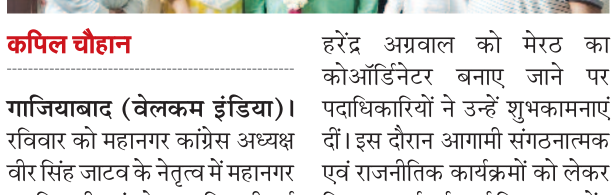

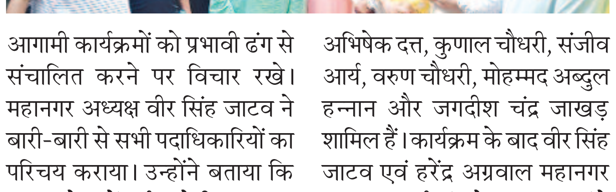

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। रविवार को महानगर कांग्रेस अध्यक्ष वीर सिंह जाटव के नेतृत्व में महानगर पदाधिकारी एवं प्रदेश पदाधिकारी पूर्व एमएलसी एवं विधायक हरेंद्र अग्रवाल के निवास पर पहुंचे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा हरेंद्र अग्रवाल को मेरठ का कोऑर्डिनेटर बनाए जाने पर पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस दौरान आगामी संगठनात्मक एवं राजनीतिक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। पूर्व विधायक हरेंद्र अग्रवाल ने अपने राजनीतिक अनुभव पदाधिकारियों के साथ साझा करते हुए संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विचार रखे। महानगर अध्यक्ष वीर सिंह जाटव ने बारी-बारी से सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में नई कमेटी का गठन किया गया है। प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम के नेतृत्व में छह सहप्रभारियों को जिम्मेदारी दी गई है, जिनमें अभिषेक दत्त, कुणाल चौधरी, संजीव आर्य, वरुण चौधरी, मोहम्मद अब्दुल हन्नान और जगदीश चंद्र जाखड़ शामिल हैं। कार्यक्रम के बाद वीर सिंह जाटव एवं हरेंद्र अग्रवाल महानगर उपाध्यक्ष सूर्यकांत के आवास पहुंचे और उनकी दिवंगत माताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवार का हालचाल जाना।

15 साल बाद फिर सर्पदंश का कहर, मां के बाद बेटी की भी मौत

कपिल चौहान

रविवार रात करीब पौने नौ बजे घर में बर्तन धो रही थी।

इसी दौरान अचानक सांप ने उसे

डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे बचाने के लिए कई अस्पतालों में लेकर पहुंचे, लेकिन

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मसूरी थाना क्षेत्र के बयाना गांव में सर्पदंश की दर्दनाक घटना ने एक परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया। रविवार रात घर में बर्तन धो रही करीब 15 वर्षीय साक्षी को काले रंग के सांप ने डस लिया।

परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, कल्लू की बेटी साक्षी रविवार रात करीब पौने नौ बजे घर में बर्तन धो रही थी।

इसी दौरान अचानक सांप ने उसे डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे बचाने के लिए कई अस्पतालों में लेकर पहुंचे, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। इस हादसे ने परिवार के पुराने जख्म भी हरे कर दिए।

करीब 15 वर्ष पहले साक्षी की मां राखी की भी सर्पदंश से मौत हुई थी। अब मां के बाद बेटी की भी सांप के डसने से मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। किशोरी की मौत की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों में भी सर्पदंश की घटनाओं को लेकर भय और चिंता का माहौल है।

कांवड़ियों के स्वागत में प्रशासन ने बिछाए फूल, दिखी गाजियाबाद की भक्ति

महापौर, विधायक, डीएम, नगर आयुक्त और जीडीए वीसी ने पुष्पवर्षा कर बढ़ाया शिवभक्तों का उत्साह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा महोत्सव के दौरान गाजियाबाद नगर निगम की ओर से मेरठ रोड पर कांवड़ यात्रियों के स्वागत में भव्य पुष्पवर्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। फूलों की बारिश के बीच पूरा कांवड़ मार्ग शिवमय नजर आया। कार्यक्रम में महापौर सुनीता दयाल, विधायक संजीव शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंदकिशोर कलाल, मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित निगम एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने संयुक्त रूप से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका उत्साहवर्धन किया। नगर निगम की ओर से आयोजित इस भव्य स्वागत कार्यक्रम से कांवड़ियों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। शिवभक्तों ने नगर निगम की व्यवस्थाओं और स्वागत के लिए आभार जताया। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के एक मंच पर आकर कांवड़ियों का स्वागत करने से सेवा और श्रद्धा का भाव भी नजर आया।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए नगर निगम की टीम 24 घंटे व्यवस्थाओं में जुटी हुई है। कांवड़ मार्ग के साथ ही शिविरों के आसपास विशेष सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। मार्ग की नियमित सफाई और व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए निगम की टीमें लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारी निभाने के साथ निगम अधिकारी और कर्मचारी सेवा एवं श्रद्धा भाव से कांवड़ यात्रा को सफल बनाने में जुटे हैं।

महापौर सुनीता दयाल ने सभी कांवड़ यात्रियों को कांवड़ यात्रा महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि लाखों की संख्या में शिवभक्त गाजियाबाद से होकर गुजरते हैं। नगर निगम और जिला प्रशासन की ओर से उनके स्वागत, सुविधा और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और स्वच्छता के बेहतर समन्वय से कांवड़ यात्रियों में उत्साह का माहौल है।

अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार ने बताया कि पुष्पवर्षा के लिए गुलाब, गेंदे और चमेली के फूलों की पत्तियों का इस्तेमाल किया गया। करीब तीन से चार क्विंटल पुष्प पत्तियां कांवड़ियों पर बरसाकर उनका स्वागत किया गया। नगर निगम की ओर से 10 अगस्त को भी भव्य पुष्पवर्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, नगर निगम और पुलिस विभाग की संयुक्त मौजूदगी से व्यवस्था और सेवा का संदेश भी दिया गया। गाजियाबाद नगर निगम की टीम जहां स्वच्छता एवं सुविधाओं की जिम्मेदारी संभाल रही है, वहीं श्रद्धा और सेवा भाव के साथ शिवभक्तों के स्वागत में भी जुटी हुई है।

पुलिस कमिश्नर ने हेलीकॉप्टर से बरसाए फूल, जगह-जगह भंडारों से शिवभक्तों का स्वागत

सुरक्षा से सेवा तक पुलिस का दिखा मानवीय चेहरा, कांवड़ियों के बीच पहुंचकर अधिकारियों ने जाना हाल

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा-2026 में शिवभक्तों की सुरक्षा और सुविधा के साथ उनके स्वागत-सत्कार में भी पुलिस प्रशासन पूरी तरह जुटा हुआ है। रविवार को कांवड़ मार्गों पर पुलिस की ओर से शिवभक्तों का पुष्पवर्षा और प्रसाद वितरण कर भव्य स्वागत किया गया। हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर फूलों की बारिश का दृश्य श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

सुगम एवं सुरक्षित कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन श्री धवल जायसवाल ने राजकीय हेलीकॉप्टर से कांवड़ मार्गों का हवाई निरीक्षण किया। इस दौरान पाइपलाइन मार्ग, गंगनहर पटरी मार्ग, मुरादनगर गंगनहर घाट, राजचौपला और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान हेलीकॉप्टर से यात्रा मार्ग पर चल रहे शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका भव्य स्वागत किया गया। आसमान से बरसते फूलों को देखकर कांवड़ियों में उत्साह और आनंद का माहौल नजर आया।

डीसीपी धवल जायसवाल ने थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में शिवभक्तों को प्रसाद वितरित कर उनकी आस्था का सम्मान किया। पुलिस अधिकारियों और जवानों ने श्रद्धालुओं से सेवा एवं सहयोग की भावना के साथ व्यवहार करते हुए सौहार्द का संदेश दिया।

वहीं, सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर श्री सिद्धार्थ गौतम ने मेरठ रोड स्थित कांवड़ शिविरों का निरीक्षण किया और कांवड़ियों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना। एएलटी चौराहे पर पुलिस बल एवं डीवीएफ टीम की मदद से यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा गया।

पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने थाना मुरादनगर क्षेत्र के कांवड़ मार्ग और सुरैना मंदिर परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। रावली चौकी क्षेत्र में शिवभक्तों के लिए लगाए गए कांवड़ शिविर एवं भंडारे का फीता काटकर शुभारंभ किया।

सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली नगर श्रीमती उपासना पाण्डेय ने भी शिवभक्तों को प्रसाद वितरित किया और पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पुलिस प्रशासन की इस पहल से कांवड़ियों में उल्लास देखने को मिला। सुरक्षा के साथ सेवा और सम्मान की इस तस्वीर ने पुलिस की जनसहभागिता और संवेदनशीलता को भी उजागर किया।

पुलिस मुठभेड़ में दो तस्कर घायल, तीसरा गिरफ्तार; 21 किलो गांजा बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजयनगर थाना पुलिस, स्वाट टीम और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन व्यक्ति बिना नंबर प्लेट की स्कूटी से इंदिरापुरम से हिंडन बैराज की ओर मादक पदार्थों की खेप लेकर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान शुरू किया।

पुलिस ने संदिग्ध स्कूटी को रोकने का प्रयास किया तो आरोपी रुकने के बजाय पुश्ता रोड की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया। इसी दौरान कच्चे रास्ते पर स्कूटी फिसलने से तीनों आरोपी गिर गए। पुलिस के मुताबिक, पीछा कर रही टीम को देखकर आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अनस के पैर में दो गोलियां और दिलशाद के पैर में एक गोली लगी, जबकि पुलिस ने असलम को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 21 किलो गांजा, बिना नंबर प्लेट की स्कूटी, दो अवैध तमंचे तथा कुछ खोखे और कारतूस बरामद किए गए। मुठभेड़ में घायल दोनों आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी अनस के खिलाफ डेढ़ दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दिलशाद और असलम के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ और अवैध हथियारों के संबंध में आरोपियों के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मौके पर फिलहाल शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम है।

साहिबाबाद में चोरी की कोशिश के दौरान चली गोली, युवक ने अस्पताल में तोड़ा दम

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना क्षेत्र के अर्थला स्थित पार्श्वनाथ बिल्डिंग में रविवार दोपहर गोली लगने से 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अर्थला निवासी समीर पुत्र मोहम्मद अहमद के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार समीर दो साथियों के साथ पार्श्वनाथ बिल्डिंग में पहुंचा था। वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड ने युवकों को अंदर जाने से रोक दिया। बताया गया कि बिल्डिंग परिसर में लोहे का सरिया और अन्य सामान रखा हुआ था। गार्ड के रोकने के बावजूद युवक अंदर जाने लगे। इसी दौरान गार्ड ने अपनी लाइसेंसी सिंगल बैरल बंदूक से फायर कर दिया। गोली समीर के सीने के पास लगी और वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। साथियों और आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल युवक को सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने सिक्योरिटी गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि गोली किन परिस्थितियों में चली और घटना के पीछे वास्तविक कारण क्या था, इसकी जांच की जा रही है।

दूधेश्वरनाथ से एएलटी तक सुरक्षा का ब्लूप्रिंट, पुलिस आयुक्त ने किया मार्ग निरीक्षण

पुलिस आयुक्त ने दूधेश्वरनाथ मंदिर से एएलटी तक किया निरीक्षण, 24 घंटे निगरानी के निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। रविवार को पुलिस आयुक्त ने श्री दूधेश्वरनाथ मंदिर परिसर से मेरठ तिराहे होते हुए एएलटी चौराहे तक कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।

एएलटी चौराहे पर पुलिस आयुक्त ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया।

दूधेश्वरनाथ मंदिर पहुंचकर पुलिस आयुक्त ने श्रद्धालुओं और कांवड़ियों की सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन, जलाभिषेक व्यवस्था और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया।

मंदिर के प्रवेश और निकास द्वार पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर पूरे परिसर की 24 घंटे निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया।

भारी भीड़ को देखते हुए बैरिकेडिंग और दर्शन व्यवस्था की समीक्षा की गई। प्रमुख मार्गों पर यातायात डायवर्जन तथा पार्किंग व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही साफ-सफाई, पेयजल, मेडिकल कैंप और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।